मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

7 अगस्त 2024

वर्ष 02, अंक 19, - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

पेज. 4 कल्याणमय कावड़ यात्रा से नगर हुआ शिवमयी

Commodity: Gold 69,006 Silver 81,669 Crude Oil 6,074 Natural Gas 171.30 Aluminium 213.10 Copper 782.80

खास खबर

देवनारायण मंदिर जीर्णोद्धार हेतु सहायता राशि की मांग

सरपंच सहित ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नीमच। जिले की जीरन तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम अरनिया बोराना में स्थित देवनारायण मंदिर जीर्णोद्धार हेतु सहायता राशि की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीण सरपंच के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर प्रतिनिधि को सौपा, जिसमें बताया गया कि गांव अरनिया बोराना तहसील जीरन में कई वर्षों पुराना एक भगवान श्री देवनारायण का देवरा स्थित है जो कच्चा बना हुआ है जिसकी सभी दीवार है क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वहां मौजूद प्रतिमाएं खंडित ना हो जिसको लेकर सभी समाज बंधुओ ने अस्थाई रूप से पास ही चबूतरा बनाकर पाट पर सभी मूर्तियों को स्थापित किया गया है और वही पूजा अर्चना की जा रही है देवनारायण मंदिर पर लोगों की आस्था और विश्वास जुड़ा हुआ है जिसके कारण दूर दराज से लोग यहां दर्शन को आते हैं और उक्त मंदिर के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए लगभग 20 लाख रुपए की लागत का खर्च आएगा। दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग मध्य प्रदेश अथवा किसी भी धार्मिक सहायता योजना या अन्य निधि से भगवान श्री देवनारायण के मंदिर जीर्णोद्धार हेतु सहायता राशि प्रदान की जाए।

घर के पास अवैध रूप से गुमटी स्थापित करने का विरोध

गाड़ी लुहार समाज के लोगो ने सोपा ज्ञापन

नीमच। शहर के बरुखेड़ा रोड ग्वालटोली स्थित गाड़ी लोहार समाज के सदस्य के मकान के पास बंटी ग्वाला द्वारा अवैध रूप से दो गुमटिया स्थापित कर दी गई है जिसकी शिकायत पीड़ित पक्ष गाड़ी लुहार समाज के सदस्य तारा चंद द्वारा अन्य समाज जनों के साथ कलेक्टर के समक्ष की गई है।दिए गए आवेदन में तारा चंद ने बताया कि उसकी पट्टे की जमीन ग्राम बरुखेड़ा रोड ग्वालटोली में स्थित है और वह उक्त भूमि पर मकान बनाकर परिवार सहित निवास करता है । उसके मकान के पास ग्वालटोली के ही निवासी बंटी ग्वाला द्वारा दो गुमटियां स्थापित की गई है जिसके कारण आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है और मना करने पर उसके द्वारा मारपीट की जाती है उक्त दोनों गुमटियां देर रात तक खुली रहती है जहां असामाजिक तत्वों का आना-जाना लगा रहता है।

डीबीएल कंपनी ने किसानों के खेतों को किया छलनी, मुआवजे की मांग

नीमच। जिले के ग्राम खिमला गूगल खेड़ा स्थित दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड उर्फ डीबीएल कंपनी का प्लाट स्थित है जिसको लेकर कंपनी के द्वारा खेतों से होकर प्लांट तक पाइपलाइन बिछाई गई है जिसके चलते किसानों के खेत बंजर हो चुके हैं और खेतों में फसल उगाने की स्थिति नहीं है मामले को लेकर किसान मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने कलेक्टर के समक्ष एक शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड उर्फ डीबीएल कंपनी जिसका प्लांट ग्राम खिमला गूगल खेड़ा स्थित है उक्त कंपनी द्वारा प्लांट से ग्राम बैसला बस्सी ब्लॉक तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया है जिसके मध्य कई कृषकों की कृषि भूमि में से होकर पाइपलाइन बिछाई गई है जो कि नियम विरुद्ध होकर बिना किसी किसने की अनुमति लिए बिछाई गई है ग्राम पंचायत बैसला की अनुमति और मनमाने तरिके से किसानों को धमका कर उक्त पॉलिप लाइन बिछाई गई और पाइपलाइन बिछाने के बाद ऋशको की भूमि को यथा स्थिति नहीं किया गया है जिसके कारण बारिश के मौसम में पानी गिरने से खेतों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है।

प्रापर्टी की बिक्री पर नई-पुरानी दोनों टैक्स व्यवस्था का विकल्प, वित्तमंत्री संसद में पेश करेंगी विधेयक

बजट 2024 में रियल एस्टेट से इंडेक्सेशन लाभ हटाए जाने के बाद से निराश प्रापर्टी मालिकों को सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदी गई संपत्ति को अगर प्रापर्टी मालिक बेचता है तो वह इस बजट में लागू की गई नई टैक्स व्यवस्था या इंडेक्शन वाली पुरानी व्यवस्था में किसी एक लाभदायक व्यवस्था को चुन सकता है।

नई दिल्ली। बजट, 2024 में रियल एस्टेट से इंडेक्सेशन लाभ हटाए जाने के बाद से निराश प्रापर्टी मालिकों को सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। सरकार ने वित्त विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव किया है। अगर इस संशोधन पर संसद में मुहर लग जाती है तो करदाताओं को अब रियल एस्टेट संपत्ति पर लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) के आकलन का विकल्प मिलेगा।

प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक, 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई संपत्ति को अगर प्रापर्टी मालिक बेचता है तो वह इस बजट में लागू की गई नई टैक्स व्यवस्था या इंडेक्शन वाली पुरानी व्यवस्था में किसी एक लाभदायक व्यवस्था को चुन सकता है।

वित्त मंत्री लोकसभा में पेश करेंगी वित्त विधेयक

इस बार बजट में प्रापर्टी की बिक्री पर लांग टर्म कैपिटल गेन के तहत टैक्स की पुरानी इंडेक्सेशन वाली व्यवस्था को खत्म करके एलटीसीजी पर 12.5 प्रतिशत टैक्स लागू करने का एलान किया गया था। पुरानी व्यवस्था में इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को संशोधन के साथ वित्त विधेयक को लोकसभा में पारित करने के लिए पेश करेंगी। बजट में वित्त मंत्री के एलान के बाद प्रापर्टी बेचने से लाभ कमाने वाले घर मालिकों को पूरी लाभ पर 12.5 प्रतिशत की दर से टैक्स देना पड़ता है न कि मुद्रास्फीति समायोजित लाभ पर।

इंडेक्सेशन को लेकर ये थी समस्या

इंडेक्सेशन का उपयोग किसी निवेश के खरीद मूल्य को उस पर मुद्रास्फीति के प्रभाव को समायोजित करने के लिए किया जाता है। पहले, इंडेक्सेशन लाभ से घर मालिकों को प्रापर्टी का लागत आधार बढ़ाने की अनुमति मिलती थी, ताकि मुद्रास्फीति के प्रभाव को ध्यान में रखा जा सके, जिससे शुद्ध लाभ और संबंधित कर देनदारी कम हो जाती थी। इंडेक्सेशन को खत्म करने के एलान से करदाताओं पर भारी कर बोझ पड़ने और प्रापर्टी सौदों में अवैध वित्तीय गतिविधियों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई थी।

इंडेक्सेशन को खत्म करने का मुद्दा काले धन से जुड़ा नहीं

हालांकि पूर्व राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा कह चुके हैं कि रियल एस्टेट में इंडेक्सेशन प्रणाली को समाप्त करने से प्रापर्टी मालिकों को कोई नुकसान नहीं है, क्योंकि इस प्रणाली के तहत 20 प्रतिशत का टैक्स था जो अब 12.5 प्रतिशत हो गया। रियल एस्टेट अमूमन 10-11 प्रतिशत की दर से रिटर्न देता है। कोई पुरानी जगह हो, जहां रिटर्न नहीं आ रहा हो तो अलग बात है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडेक्सेशन को खत्म करने का मुद्दा काले धन से जुड़ा नहीं है।

भारत-बांग्लादेश, अरबों डॉलर के निवेश को देखते हुए रखना होगा लचीला रुख

नई दिल्ली। शेख हसीना से भारत की पूरी सहानुभूति है और यह आगे भी जारी रहेगी। लेकिन उनकी सलामती को दुरुस्त रखते हुए इसकी भी तैयारी शुरू हो गई है कि पड़ोसी देश के साथ भारत के हित बरकरार रहें। इसकी उम्मीद जताई जा रही है हसीना बहुत जल्द किसी यूरोपीय देश में शरण लेंगी।

यह भारत के भी हित में है क्योंकि उनका लंबे समय तक यहां रहना बांग्लादेश की भविष्य की सरकार के साथ संबंधों को प्रभावित करेगा। लेकिन भारत इसमें अपनी ओर से कोई हड़बड़ी नहीं दिखाएगा। एक तरह से यह संदेश होगा की भारत अपने मित्रों के साथ पूरी दोस्ती निभाता है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने बयान में कहा है की भारत वहां के सैन्य अधिकारियों के संपर्क में है। फिलहाल वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं की जान माल की रक्षा के लिए लगातार संपर्क हो रहा है। पड़ोस में जो हो रहा है उसने सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं।

लिहाजा बदलते हुए हालत के साथ इस तरह सामंजस्य बनाने की कोशिश होगी की हितों की ज्यादा बलि ना देनी पड़े।

खास तौर पर तब जब न सिर्फ निजी भारतीय कंपनियों ने अरबों डॉलर का निवेश वहां कर रखा हो और पूर्वोत्तर राज्यों के साथ वैकल्पिक कनेक्टिविटी परियोजना लगाने में भी भारत सरकार ने तीन अरब डॉलर का कर्ज दे रखा हो।

1 करोड़ से ज्यादा का नशा, और स्मगलिंग के लिए निकला तस्कर, सुचना पर बघाना पुलिस की कार्यवाही

पिकअप से मादक पदार्थ जप्त, राजस्थान का आरोपी नारायण भी गिरफ्तार

नीमच। एसपी अंकित जायसवाल के मार्गदर्शन में, एएसपी नवलसिंह सिसोदिया निर्देशन व सीएसपी अभिषेक रंजन के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति व अवैध मादक पदार्थो की तस्करी को रोकने के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत बघाना थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सागरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना पर बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार को पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी की, और एक सफेद कलर की बिना नंबर की पिकअप को रोककर तलाशी ली। जिसमे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा के 20-20 किलो के ब्लैक कलर के 54 कट्टों में कुल 10 क्विंटल 80 किलो अफीम डोडाचूरा भरा हुआ मिला। पुलिस टीम ने तस्कर नारायण पिता गोवर्धन दास बैरागी (38) निवासी ग्राम संग्रामपुर, थाना बस्सी के कब्जे से 1080 किलो अफीम डोडाचूरा मय पिकअप वाहन व एंड्रायड मोबाईल के जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। अवैध मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय कीमत एक करोड़ आठ लाख रूपये है।

जप्त माल की कुल कीमत 1 करोड़ 14 लाख 10 हजार रूपये है। आरोपी नारायण पिता गोवर्धन के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम विवेचना की जा रही है।

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी व बघाना पुलिस की टीम ने सराहनीय कार्य को अंजाम दिया है।

सराहनीय भूमिका-

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विजय सागरिया थाना प्रभारी थाना बधाना, उपनिरीक्षक परमानंद गिरवाल, सहायक उपनिरीक्षक विरेन्द्रसिहं बिसेन, प्रआर मनोज ओझा, आर ओमप्रकाश पारगी, आर राहुल चंदेल, आर मधुसुदन बैरागी और आर चालक ओमप्रकाश यादव का सरहानीय योगदान रहा।

पूर्व व वर्तमान तहसीलदार पर लगे नामान्तरण के नाम पर राशि मांगने के आरोप, पीड़ित ने कलेक्टर की जनसुनवाई में लगाई गुहार

नीमच। जिले के मनासा तहसील के पूर्व तहसीलदार कविता कड़ेल एवं वर्तमान तहसीलदार प्रियंका रावत पर नामांतरण के नाम पर अवैध राशि मांग करने के आरोप मानसा के निवासी दीपक वाधवा पिता अर्जुन देव वधवा ने लगाए हैं उक्त मामले को लेकर पीड़ित दीपक वधवा ने कलेक्टर की जनसुनवाई में एक शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उसने ग्राम सावन तहसील नीमच स्थित सर्वे नंबर 886 मिन-1 विधिवत वैधानिक मालिक से बाजार मूल्य के रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के क्रय कर कब्जा प्राप्त किया था और उक्त भूमि जग जाहिर में क्रय की गई थी भूमि क्रय करने के बाद उसने नामान्तरण हेतु तहसील न्यायालय नीमच मे कार्यवाही की जो प्रकरण क्रमांक 0961/अ-6/2023-24 पर दर्ज हुआ जिसमें आपत्तिकर्ता दाखीबाई पति रोडमल, गोपाल पिता भगतराम, गंगाबाई पति अमरलाल, कैलाशीबाई देवीलाल दिलीप श्यामुबाई पिता अमरलाल सभी निवासीयान सावन द्वारा अवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये बिना किसी विधिक आधार के आपत्ति प्रस्तुत की एवं आवेदन किया जिस पर तहसील न्यायालय ने आपत्तिकर्ता का आवेदन को निरस्त करने पर आपत्तिकर्ता द्वारा अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी प्रस्तुत की जो प्रकरण क्रमांक 007/निगरानी 2024-25 पर दर्ज हुई जिसमे अपर कलेक्टर द्वारा सुनवाई की जाकर आपत्तिकर्ता की निगरानी विधिक नही होने पर दिनांक 25.06.2024 को निरस्त कर दी गई है। निगरानी के निराकरण के बाद प्रकरण पुनः तहसील न्यायालय मे गया प्रकरण की सुनवाई पूर्व में पदस्थ पीठासीन तहसीलदार कविता कडेला द्वारा की जा रही थी जिनके द्वारा भी उक्त प्रकरण में अन्यथा उद्देश्य के अवैध राशि की मांगनी की गई और अवैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुवे आपत्तिकर्ता को पूर्ण रूप से सहयोग किया और इतने में उक्त तहसीलदार कविता कडेला के स्थान पर अन्य तहसीलदार प्रियंका रावत पदस्थ हुई जो भी पुरी तरह पूर्व पीठासीन कविता कड़ेला के टच में होकर दोनो अधिकारीयो द्वारा मिली भगत कर उक्त प्रकरण में भारी राशि ऐंठने की दुषनियती से प्रकरण का निगरानी से निराकरण होने के बाद प्रकरण विधिवत होने से प्रकरण में दिनांक 24.07.2024 को नामान्तरण आदेश पारित कर दिया गया,उक्त प्रकरण में जब वर्तमान पदस्थ तहसीलदार प्रियंका रावत द्वारा आदेश पारित करने की भनक जैसे पूर्व पीठासीन तहसीलदार कविता कडेला जो कि नीमच में ही तहसीलदार के पद पर अन्य हल्के की सुनवाई के लिय पदस्थ है को लगी तो उक्त दोनो तहसीलदार अधिकारीया द्वारा मिटिंग कर योजना बद्ध तरीके से विहित प्रावधानो के विपरित जाते हुवे अपने पद का दुरूपयोग करते हुवे पीड़ित से भारी भ्रष्टाचार की राशि की खुल्ले आम मांग की और धमकी दी गई कि यदि उक्त राशि का भुगतान नही किया जाता तो इस आदेश को हमारी ताकत से रोक देगें और अमल दरामद नही होने देगें,पीड़ित की उक्त मांगी गई भ्रष्टाचार की राशि देने की हैसियत नही होने से प्रार्थी ने असमर्थता जताई जिस पर से उक्त तहसीलदार प्रियंका रावत द्वारा कविता कडेला से मिलकर आनन-फानन में अवैधानिक रूप से विहित प्रावधानो के विपरित जाकर एक पत्र फर्जी रूप से जारी कर दिया और दिनांक 24.07.2024 को पारित नामान्तरण आदेश के अमल दरामद को अपने अवैध भ्रष्टाचार की मंशा पुरी करने के लिये रूकवा दिया और इस प्रकार से विधि व कानुन को ताक में रखकर इन राजस्व अधिकारीयो द्वारा मनमानी की जाकर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है यदि मामले में जाच की जाए तो ऐसे उदाहरण विधिवत रोज के सैकड़ो मामले सामने आयेगें ज्ञापन में बताया गया कि नीमच में राजस्व अधिकारीयो व कर्मचारी की वसुली गेंगं चल रही है और भारी तौर से भ्रष्टाचार की वसुली कर अवैध सम्पत्तिया स्थापित कर रहे है और लोगो के साथ अन्याय हो रहा है।दिए गए ज्ञापन में पीड़ित दीपक वधवा ने मांग की है कि उक्त मामले को त्वरित संज्ञान लेवे और दोनो भ्रष्टाचारी तहसीलदार कविता कडेला एवं प्रियंका राबत के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए।ओर इनकी अवैध सम्पत्ति को जप्त की जावे व इनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जाकर खुल्लेआम भ्रष्टाचार की मांग कर जनता व आम आदमी को प्रताड़ित करने, तथा आत्महत्या करने पर मजबूर करने के कृत्य करने के संबंध में उपरोक्त अधिकारियों की सेवा समाप्ति की जाकर प्रकरण दर्ज करवाया जावे। तथा इनके इस षडयंत्र संलिप्त प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की जावे एव नीमच जिले को इस राजस्व लुठेरी गेंग से मुक्ति प्रदान करवाई जावे।पीड़ित दीपक वधवा ने उक्त शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन, लोकायुक्त कार्यालय भोपाल, राजस्व मंत्री मानव अधिकार मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार ब्यूरो मुख्य निर्देश एवं प्रधानमंत्री भारत शासन पीआरओ नई दिल्ली को प्रेषित की है।

सुरक्षा का भाव व हितों की रक्षा वैश्य संगठन का मुख्य उद्देश्य है- उमशांकर गुप्ता

समाजिक विभूतियों सम्मान, एक शाम वैश्य एकता के नाम हुआ काव्य पाठ

नीमच। वैश्य महासम्मेलन सिर्फ समाज के लोगों को एकता के सूत्र में ही नहीं बांधता बल्कि समाज को जीवन जीने की कला सिखाता है। संगठन का उद्देश्य वैश्यों के हितों की रक्षा करना उनमें सुरक्षा का भाव पैदा करना है। महासम्मेलन के नियमित कार्यक्रमों से समाज में पारिवारिक सामंजस्य स्थापित होता है। इसलिए हमें अपने अपने क्षेत्रों में सदस्यता बढ़ाकर पारिवारिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए।

यह बात वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता ने कही। वे शहर के टाउन हॉल में आयोजित समाजिक विभूतियों के सम्मान समारोह और एक शाम वैश्य एकता के नाम कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान है।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज ने अपने व्यापार के जरिये पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की आजादी के लिए सेना गठित करने और मुगलो आक्रातांओ से संघर्ष करने के लिए जिस भामाशाह ने अपनी सारी संपत्ति महाराणा प्रताप को सौंप दी थी, वह भामाशाह भी वैश्य थे ।

पूर्व मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा कि वैश्य समाज की सबसे बड़ी पहचान यही है कि हर कार्य समय सीमा के पालन में हो। विधायक दिलीपसिंह परिहार ने कहा कि जिस प्रकार भामाशाह ने मेवाड़ की आजादी में योगदान दिया था, वही कार्य वर्तमान में राष्ट्र निर्माण में वैश्य वर्ग कर रहा है। मनासा अनिरूद्ध माधव मारू ने कहा कि हमारे वर्ग और गोत्र अलग-अलग है पर संस्कार एक है और हम सब एक है। आरंभ में स्वागत भाषण वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष संतोष चौपड़ा ने देते हुवे कहा कि संस्कार के साथ समाज की सुरक्षा जरूरी है। शहर में निकली गई वैश्य एकता वाहन रैली व सम्मान समारोह तथा काव्य पाठ आयोजन में अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन, पोरवाल, माहेश्वरी, स्वर्णकार आदि अनेक वैश्य वर्ग का सराहनीय सहयोग मिला है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अभियान में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

इस मौके पर मप्र शासन के पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चौपड़ा, बड़ी सादड़ी नपाध्यक्ष विनोद कंठालिया, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार, वैश्य महासम्मेलन प्रदेश महामंत्री सुधीर अग्रवाल, वैश्य युवा ईकाइ प्रदेश अध्यक्ष विकास डागा, वैश्य महिला ईकाइ प्रदेश अध्यक्ष ज्योति जैन, महिला संभागीय अध्यक्ष मनोरम मूंदड़ा, जगदीश अग्रवाल, समाजसेवी विष्णु बिंदल इंदौर, रमेश चौधरी, ओपी बंसल, विजय मुच्छाल, गोविंद पोरवाल, कैलाश धानुका आदि मंचासीन थे।

समाजिक विभूतियों का किया सम्मान-

वैश्य महासम्मेलन के जिला मीडिया प्रभारी विवेक खंडेलवाल सोनू ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिस सामाजिक विभूतियां का सम्मान पगड़ी पहनाकर और प्रशंसा पत्र देकर अतिथियों के हाथों किया गया।

जिसमें डॉ. हरनारायण गुप्त, उद्योगपति कैलाश धानुका, समाजसेवी ओमप्रकाश अग्रवाल (तेल), श्रीमती सरिता घनश्याम गोयल, मुरारीलाल गर्ग, जम्बूकुमार जैन, जगदीशचंद्र शर्मा, वासुदेव गर्ग, संजय गुड्डू जैन, कलेक्टर दिनेश जैन, एसपी अंकित जायसवाल, संयुक्त कलेक्टर प्रीति संघवी, शांतिलाल चौपड़ा, जयंतिलाल पितलिया, भगवानदास मुच्छाल, सुनील रस्तोगी व शैलेंद्र गर्ग (दलाल) आदि का सम्मान किया गया। कलेक्टर व एसपी के कार्यक्रम में मौजूद नहीं होने पर सम्मान पत्र उनके प्रतिनिधि को सौंपे गए।

इस मौके पर वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष गोविंद पोरवाल, जिला महामंत्री हरिवल्लभ मुच्छाल, कोषाध्यक्ष पारस लसोड़, जिला संयोजक पटेल सुनील जैन, दिलीप डूंगरवाल, तुषार लालका, शरद जैन, युवा इकाई अध्यक्ष मनोज माहेश्वरी, निखार गोयल, गौरव चौपड़ा, संदीप खाबिया, कालू चौपड़ा सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाजजन मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संगीता जारोली ने किया व आभार विजय मुच्छाल ने माना।

उक्त जानकारी वैश्य महासम्मेलन के जिला मीडिया प्रभारी विवेक खण्डेलवाल द्वारा दी गई। अनामिका अंबर ने सामाजिक एकता पर किया काव्य पाठ सामाजिक विभूतियों के सम्मान के साथ ही एक शाम वैश्य एकता के नाम कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिसमें अंर्तराष्ट्रीय प्रख्यात कवियत्री अनामिका अंबर ने देश भक्ति से ओतप्रोत काव्य रचनाए प्रस्तुत कर समाज को संगठित रहने का आव्हान किया।

उन्होंने आयोध्या में श्री राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या के राजा को अपनी रचना समर्पित करते हुए कहा रामभक्त दिल्ली के सिंहासन पर बैठा है, तो राम अवध के सिंहासन पर विराजमान है, यह रचना सुनते जय श्रीराम के उदघोष से सभागार गूंज उठा। कार्यक्रम में कवि संदीप जैन शोर्य ने शहिदों को नमन करते हुए काव्य प्रस्तुत की। इसके अलावा पार्थ प्रहलाद नवीन ने भी अपनी रचनाए सुनाकर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन के अंत में वैश्य महासम्मेलन के मीडिया प्रभारी विवेक खंडेलवाल सोनू के आग्रह पर कवियत्री अनामिका अंबर ने जाते जाते यूपी में बाबा आया... काव्य रचना सुनाई तो श्रोता झूम उठे।

वैश्य एकता वाहन रैली का राष्ट्रीय स्वतंत्र पत्रकार संघ ने किया पुष्प वर्षा कर स्वागत। प्रदेश स्तरीय वैश्य महासम्मेलन में शहर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई वाहन रैली का राष्ट्रीय स्वतंत्र पत्रकार संघ व कल्याण कमलमय समर्थक समिति (नेशनल वालंटियर भाजपा) द्वारा वाहन रैली में सम्मिलित वैश्य समाजगणों एवं मातृ शक्तियों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया साथ ही वाहन रैली में जीप पर सवार वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष व मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता एवं वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष समाजसेवी संतोष चोपड़ा और अनूपपुर वैश्य सम्मेलन के जिला अध्यक्ष मुकेश जैन, जिला प्रभारी कैलाश जैन को पुष्प माला पहना पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर राष्ट्रीय स्वतंत्र पत्रकार संघ के राष्ट्रीय प्रभारी चंद्रशेखर जायसवार,संभाग अध्यक्ष चंद्रप्रकाश (मोमु) लालवानी, कल्याण कमलमय समर्थक समिति के प्रदेश संगठन मंत्री दुर्गा शंकर दंशाणा (पार्षद वार्ड नं 8), कार्यवाहक जिला अध्यक्ष समरथ राठौर, प्रचारक दिलीप लालवानी, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोहन यादव, राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित नरवले, महामंत्री विक्की धूलिया, संयुक्त मंत्री राजू सुतार, सहसचिव मनोहर केथवास, नगर सचिव जयराम दसानी, अशोक जौहरी, दुर्गेश राठौर,बबलू यादव, राजू ढोल एवं सभी साथीगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ एवं अपर कलेक्टर ने की जनसुनवाई, जनसुनवाई में 106 आवेदकों की सुनी समस्याए

नीमच। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मीगामड़ ने मंगलवार को कलेक्टोरेट में जनसुनवाई करते हुए 106 आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में भरभडिया के जगदीशचंद्र, कुण्ड़ला के लियाकत खां, भाटखेडी की कैलाशी बाई, मेंडकी की लक्ष्मीबाई, सरवानिया बोर के शंकरलाल, नानालाल, रतनीबाई, अंशीबाई, जीरन के लक्ष्मीचंद, अरनियाकुमार के लाला, लासुर की कौशल्याबाई, निलिया की कैलाशी बाई, भंवरासा के अशफाक हुसैन, बघाना के इमरान खान, बडकुआ के भेरूलाल, हाडी पिपलिया की सम्पतबाई, लसुडी तंवर के कैन्हयालाल, हतुनिया की जमनाबाई, न्यु इंदिरा नगर नीमच के भुपेन्द्र कुमार, पडदा की प्रभुबाई, नीमच के ओमप्रकाश सिंहल, जगेपुरा की शानूबाई, अल्हेड़ के सुरेश कुमार, बामनबर्डी के लक्ष्मीनारायण, दडौली के सुरजमल, फोफल्या के मदनलाल, लसुडियाआंत्री के गणेश, भगवानपुरा नीमच निवासी विशाल बैरागी, अरनिया बोराना के मुकेश गुर्जर, सरवानिया महाराज के जगदीश राठौर, तलाउ के रामलाल, मोडी के कारूलाल राठौर, चडोल के भेरूदास, जीरन के मदनलाल, अडमालिया के किशोरदास आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

एमएस धोनी की जोगिंदर शर्मा से खास मुलाकात, सालों बाद मिले दो जिगरी यार

एमएस धोनी की कप्तानी में भारत ने पहला टी20 वर्ल्ड कप जीता था। ये वर्ल्ड कप भारत ने साल 2007 में अपने नाम किया था। भारत ने पाकिस्तान को फाइनल में मात दे ये खिताब जीता था। इस मैच का फाइनल ओवर जोगिंदर शर्मा ने फेंका था। इन्हीं जोगिंदर से धोनी ने लंबे समय बाद मुलाकात की है। इन दोनों की फोटो इस समय वायरल हो रही है।

नई दिल्ली। भारत ने साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम की ये जीत ऐतिहासिक थी। फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को मात दी थी। इस जीत के एक हीरो रहे थे तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा। धोनी ने हाल ही में जोगिंदर से मुलाकात की है। जोगिंदर ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच में आखिरी ओवर फेंका था और 13 रनों का बचाव किया था। जोगिंदर का करियर हालांकि ज्यादा लंबा चला नहीं और वह जल्द ही टीम से बाहर हो गए। इस समय जोगिंदर हरियाणा पुलिस के साथ डीएसपी हैं।

सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

सोशल मीडिया पर इस समय धोनी और जोगिंदर की फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो में जोगिंदर वर्दी पहने हुए हैं और धोनी अपने नए लुक में हैं। फोटोज में दोनों हाथ मिलाते और बात करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस फोटो ने धूम मचा दी है और यूजर्स जमकर दोनों की तारीफ कर रहे हैं। ये फोटो जोगिंदर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाई हैं और लिखा है, काफी लंबे समय बाद तुमसे मिलकर अच्छा लगा माही।

जोगिंदर टीम इंडिया के अलावा धोनी की कप्तानी में आईपीएल में उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स में भी खेले। वह दो सीजन तक इस टीम के लिए खेले।

ऐसा रहा करियर

जोगिंदर का करियर देखा जाए तो उन्होंने भारत के लिए चार वनडे और इतने ही टी20 मैच खेले। टी20 में जोगिंदर ने चार विकेट अपने नाम किए। वहीं वनडे में उन्होंने एक विकेट लिया। जोगिंदर ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच 24 जनवरी टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल ही खेला था। इसके बाद वह टीम में लौटकर नहीं आए। फर्स्ट क्लास में उन्होंने कुल 77 मैच खेले और 297 विकेट अपने नाम किए। लिस्ट-ए में उन्होंने 115 विकेट चटकाए हैं। टी20 में उन्होंने 61 विकेट लिए हैं।

75 साल बाद भी अमेरिका से पीछे होगा भारत, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती

पिछले कुछ साल में भारत की अर्थव्यवस्था काफी तेजी से बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि भारत के सामने बड़ी समस्या प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने की रहेगी। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि भारत जैसे 100 विकासशील देश मिडिल इनकम ट्रैप में फंस सकते हैं और उनके लिए अमेरिका के बराबर प्रति व्यक्ति आय हासिल करना काफी मुश्किल होगा।

नई दिल्ली। भारत आर्थिक तरक्की की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना देश के लिए बड़ी समस्या है। विश्व बैंक ने भी अपनी रिपोर्ट में यही चिंता जताई है। उसका कहना है कि भारत समेत 100 से अधिक देश हाई-इनकम वाले देश बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

World Development Report 2024- The Middle Income Trap रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को अमेरिका के एक चौथाई प्रति व्यक्ति आय के स्तर तक पहुंचने में भी करीब 75 साल लगेंगे। इंडोनेशिया भी लगभग 70 साल का समय लेगा। हालांकि, चीन इस उपलब्धि को करीब 10 साल में ही हासिल कर सकता है।

मिडिल इनकम ट्रैप बड़ी समस्या

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ने पिछले 50 वर्षों के सबक का हवाला दिया है। इसमें पाया गया है कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर प्रति व्यक्ति वार्षिक अमेरिकी जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के %जाल% में फंस जाते हैं। यह फिलहाल 8,000 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। वर्ल्ड बैंक ने मध्यम आय वाले देशों के रूप में वर्गीकृत करने की जो सीमा बनाई है, यह उसके मध्य में है।

विकासशील देशों में चुनौतियों का पहाड़

2023 के अंत में 108 देशों को मध्यम आय के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इनमें से प्रत्येक की प्रति व्यक्ति वार्षिक जीडीपी 1,136 अमेरिकी डॉलर से 13,845 अमेरिकी डॉलर के बीच थी। ये देश छह अरब लोगों का घर हैं, मतलब कि दुनिया की 75 फीसदी इन्हीं 6 देशों में गुजर-बसर करती है।

यहां हर तीन में से दो लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं। आगे की राह देखें, तो अतीत के मुकाबले चुनौतियां और भी ज्यादा कड़ी हैं। इन देशों में आबादी और कर्ज तेजी से बढ़ रहा है। भू-राजनीतिक और व्यापार से जुड़ी दिक्कतों में भी इजाफा हो रहा है। इनके सामने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक तरक्की की रफ्तार बढ़ाने की चुनौती भी है।

आईपीओ लाने के प्रोसेस को सरल कर रहा सेबी, AI की भी ली जाएगी मदद

आईपीओ प्रक्रिया के इर्द-गिर्द एक जटिलता कायम है। जैसे कि एक जटिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करना। अब मार्केट रेगुलेटर सेबी आईपीओ लाने की प्रक्रिया को काफी सरल बनाने जा रहा है। सेबी तेजी से मंजूरी के लिए कंपनियों द्वारा दाखिल किए जा रहे आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण भी विकसित कर रहा है। यह उपकरण दिसंबर तक उपलब्ध हो जाएगा।

मुंबई। मार्केट रेगुलेटर सेबी आईपीओ प्रक्रिया के सरलीकरण पर काम कर रहा है। नई प्रक्रिया के तहत एक टेम्पलेट होगा, जहां कंपनियां आईपीओ दस्तावेज तैयार करने के लिए रिक्त स्थान भर सकेंगी। नहीं समझ आने वाली बातों को स्पष्ट करने और किसी विशेष पहलू को समझाने के लिए एक अलग कॉलम होगा। सेबी ने यह भी कहा है कि आईपीओ की कुल संख्या के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर है।

फिक्की एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा, आईपीओ प्रक्रिया के इर्द-गिर्द एक जटिलता कायम है जैसे कि एक जटिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस% दाखिल करना। अब इस प्रक्रिया को इससे मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, %दस्तावेज सटीक और अर्थपूर्ण होगा तथा इसमें किसी भी प्रकार के बदलाव को अलग से समझाया जाएगा।

हालांकि, उन्होंने योजना के क्रियान्वयन के लिए कोई समय-सीमा या इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। इसके अलावा सेबी तेजी से मंजूरी के लिए कंपनियों द्वारा दाखिल किए जा रहे आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण भी विकसित कर रहा है। यह उपकरण दिसंबर तक उपलब्ध हो जाएगा।

धन जुटाने की नई प्रक्रिया पर काम

कंपनियों के लिए धन जुटाने की एक नई प्रक्रिया पर भी हो रहा काम सेबी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए धन जुटाने की एक नई प्रक्रिया पर भी काम कर रहा है, जो राइट्स इश्यू और तरजीही आवंटन का मिलाजुला रूप होगा। उन्होंने कहा कि तरजीही आवंटन के लिए मंजूरी अवधि वर्तमान में 42 दिन है। जो प्रस्तावित नई प्रक्रिया के बाद 23 दिन रह जाएगी। यह धन जुटाने का सबसे तेज तरीका होगा।

नई प्रक्रिया के तहत सेबी से अनुमोदन प्राप्त करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और मर्चेंट बैंकरों की आवश्यकता भी खत्म हो जाएगी। इसकी बड़ी वजह यह है कि राइट्स इश्यू और तरजीही आवंटन के जरिये धन जुटाने का दस्तावेज मात्र दो पन्नों का होगा, जिसमें निवेशकों के लिए सभी विवरण ठीक तरह प्रकाशित होंगे।

माधबी पुरी बुच ने कहा कि प्रस्ताव पर आगे बढ़ने से पहले सेबी इस विचार पर एक परामर्श पत्र लाएगा। इसके अलावा सेबी स्टार्टअप को सूचीबद्ध करने की व्यवस्था को आसान बनाने की दिशामें भी काम कर रहा है।

एनएसई ने फर्जीवाड़े पर किया आगाह

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने शुक्रवार को निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश पर गारंटीड रिटर्न देने वाली एक इकाई के खिलाफ आगाह किया। उसका यह बयान तब आया जब एक्सचेंज को यह पता चला कि उसके पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर का एक अधिकृत व्यक्ति गारंटीड रिटर्न का प्रस्ताव दे रहा था और निवेशकों से ऐसे सुनिश्चित रिटर्न पर कमीशन ले रहा था।

एक्सचेंज ने कहा कि वह ट्रेडिंग सदस्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे पहले फरवरी में, सेबी ने निवेशकों को निवेश पर सुनिश्चित या असाधारण रिटर्न का वादा करने वाली अपंजीकृत संस्थाओं के साथ पैसा लगाने के खिलाफ आगाह किया था।

विदेशी निवेशकों को पसंद आ रहा भारतीय शेयर बाजार, जुलाई में 54 हजार करोड़ से ज्यादा एफपीआई निवेश

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार एफपीआई ने जुलाई के दौरान इक्विटी बाजारों में 32364 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश है। यह इस वर्ष दूसरा महीना है जब एफपीआई ने इक्विटी बाजारों में 30 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। इसी तरह डेट बाजारों में भी 22363 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का आर्थिक वृद्धि परिदृश्य काफी मजबूत बना हुआ है। यही कारण है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारत के इक्विटी और डेट व बॉन्ड बाजारों में जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जुलाई में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी और डेट बाजारों में कुल 54,727 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बजट से पहले पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर 6.5 से सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, एफपीआई ने जुलाई के दौरान इक्विटी बाजारों में 32,364 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश है। यह इस वर्ष दूसरा महीना है जब एफपीआई ने इक्विटी बाजारों में 30 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। इसी तरह डेट बाजारों में भी 22,363 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। डाटा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 में दो अगस्त तक इक्विटी में शुद्ध एफपीआई निवेश 34,539 करोड़ रुपये और डेट बाजारों में शुद्ध निवेश 94,629 करोड़ रुपये हो गया है। डाटा के अनुसार, इक्विटी, डेट और हाइब्रिड समेत तमाम इंस्ट्रूमेंट्स में अब तक कुल एफपीआई निवेश 1,41,050 करोड़ रुपये हो गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि विभिन्न कारणों से भारत में विदेशी निवेश बढ़ना चाहिए। इसमें पहला कारण यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कई वैश्विक समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इससे यह निवेशकों के लिए आकर्षक बनी हुई है। दूसरा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती से निवेशक भारत समेत अन्य देशों में बेहतर रिटर्न की तलाश करेंगे। तीसरा सरकार के मजबूत राजकोषीय अनुशासन से भारत की रेटिंग में सुधार हो सकता है, जिससे इसकी निवेश अपील बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एफपीआई की गतिविधियां विभिन्न कारकों से प्रभावित होती हैं।

इसमें वैश्विक इक्विटी बाजारों का प्रदर्शन, डालर सूचकांक की चाल, वृद्धिशील भू-राजनीतिक घटनाक्रम और थोड़े ऊंचे मूल्यांकन स्तरों को देखते हुए भारतीय बाजारों में अवसर प्रमुख हैं। इक्विटी के लिहाज से अगस्त की नकारात्मक शुरुआत इक्विटी में एफपीआई निवेश के लिहाज से अगस्त की नकारात्मक शुरुआत हुई है। एक अगस्त को एफपीआई ने इक्विटी बाजारों से 2,853.76 करोड़ रुपये की निकासी की थी। हालांकि, दो अगस्त को विदेशी निवेशकों ने 1,826.35 करोड़ रुपये का निवेश किया।

इस प्रकार अगस्त के पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शुद्ध रूप से 1,027 करोड़ रुपये की निकासी की है। हालांकि, डेट बाजारों में एफपीआई पहले दो कारोबारी सत्रों में 3,641 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। हाइब्रिड फंडों में एफपीआई 2024 में अब तक 9,035 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

अगस्त के दूसरे सप्ताह में मनाएं जाएंगे कई व्रत और पर्व, देखें लिस्ट

पंचांग के अनुसार सावन का दूसरा सप्ताह बेहद खास रहने वाला है। इस सप्ताह में सावन सोमवार व्रत और नाग पंचमी समेत कई पर्व मनाएं जाएंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन सोमवार व्रत करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और नागपंचमी पर नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प से मुक्ति मिलती है।

नई दिल्ली। अगस्त 2024- सावन का महीना बहुत शुभ माना जाता है, क्योंकि यह महीना भगवान शिव को प्रिय है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, अगस्त का दूसरा सप्ताह 05 अगस्त से लेकर 11 अगस्त तक है। यह सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस सप्ताह में कई अहम त्योहार और व्रत पड़ रहे हैं। इस दौरान सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत, हरियाली तीज और कल्कि जयंती है। इसके अलावा, कई अन्य प्रमुख पर्व मनाए जाएंगे। ऐसे में आइए जानते हैं इस सप्ताह में पड़ने वाले सभी व्रत और त्योहारों के बारे।

सावन के तीसरे सोमवार की डेट और शुभ मुहूर्त (Third Sawan Somwar 2024 Date and Shubh Muhurat)

सावन का तीसरा सोमवार व्रत शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर किया जाएगा। प्रतिपदा तिथि 05 अगस्त को है। पंचांग के अनुसार, इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। वहीं, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 02 मिनट से लेकर 12 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। सोमवार को पूजा करने का शुभ मुहूर्त रात्रि 07 बजकर 15 मिनट से लेकर 08 बजकर 17 मिनट के बीच रहेगा।

तीसरे मंगला गौरी व्रत 2024 डेट और शुभ मुहूर्त (Third Mangla Gauri Vrat 2024 Date Shubh Muhurat)

तीसरा मंगला गौरी व्रत शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि यानी 06 अगस्त को किया जाएगा। पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर ब्रह्म मुहूर्त 04 बजकर 21 मिनट से लेकर 05 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। वहीं, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से लेकर से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा।

हरियाली तीज 2024 डेट और शुभ मुहूर्त (Hariyali Teej 2024 Date and Shubh Muhurat)

पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 06 अगस्त को रात 07 बजकर 52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अगस्त को रात 10 बजकर 05 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 07 अगस्त को हरियाली तीज मनाई जाएगी।

नाग पंचमी 2024 डेट और शुभ मुहूर्त (Nag Panchami 2024 Date And Shubh Muhurat)

पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12 बजकर 36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03 बजकर 14 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा।

कल्कि जयंती 2024 डेट और शुभ मुहूर्त (Kalki Jayanti 2024 Date Shubh Muhurat)

पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 10 अगस्त को देर रात 03 बजकर 14 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 11 अगस्त को सुबह 05 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगा। अतः 10 अगस्त को कल्कि जयंती मनाई जाएगी।

कब है तुलसीदास जयंती 2024 (Tulsidas Jayanti 2024 Date)

इस बार 11 अगस्त को तुलसीदास की 527वीं जन्म वर्षगांठ सावन माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर बेहद उत्साह के साथ मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, सप्तमी तिथि की शुरुआत 11 अगस्त को सुबह 05 बजकर 44 मिनट से होगी, जिसका समापन 12 अगस्त को 07 बजकर 55 मिनट पर होगा।

अस्वीकरणः इस लेख में बताए गए उपाय/लाभ/सलाह और कथन केवल सामान्य सूचना के लिए हैं। दैनिक जागरण तथा जागरण न्यू मीडिया यहां इस लेख फीचर में लिखी गई बातों का समर्थन नहीं करता है। इस लेख में निहित जानकारी विभिन्न माध्यमों/ज्योतिषियों/पंचांग/प्रवचनों/मान्यताओं/धर्मग्रंथों/दंतकथाओं से संग्रहित की गई हैं। पाठकों से अनुरोध है कि लेख को अंतिम सत्य अथवा दावा न मानें एवं अपने विवेक का उपयोग करें। दैनिक जागरण तथा जागरण न्यू मीडिया अंधविश्वास के खिलाफ है।

हरियाली अमावस्या पर घर में लगाएं ये पौधे

हरियाली अमावस्या को हिंदू धर्म में बेहद विशेष माना गया है। इस दिन भगवान शिव के साथ माता-पार्वती की पूजा होती है। इसके साथ ही यह दिन गंगा स्नान दान-पुण्य और पितरों का तर्पण के लिए भी बहुत अच्छा माना गया है। ऐसा माना जाता है कि यह दिन स्नान और दान के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह हर साल सावन के महीने में मनाई जाती है।

नई दिल्ली। अमावस्या का अत्यधिक धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह तिथि धार्मिक विधियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस अवधि में पितरों की पूजा के अलावा भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विधान है, क्योंकि यह सावन माह में आती है। इस बार अमावस्या 4 अगस्त यानी आज पड़ रही है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में इस दिन (Hariyali Amavasya 2024) घर में कुछ पौधों को लगाने की सलाह दी गई है, जिसके कई सारे लाभ भी बताए गए हैं।

तुलसी

तुलसी के पौधे को हिंदू धर्म में सबसे पवित्र माना जाता है। इससे घर में समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। हरियाली अमावस्या के दिन इस शुभ पौधे को अपने घर में लाकर, आप सफलता को आमंत्रित कर सकते हैं। साथ ही अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा जमा कर सकते हैं। इस पौधे के घर में होने से मन, शरीर और आत्मा शुद्ध होती है।

बेल

बेल वृक्ष, जिसे भगवान शिव के पवित्र प्रतीक के रूप में जाना जाता है। हरियाली अमावस्या के दिन, बेल के वृक्ष को अपने घर या आस-पास लगाने से प्रचुर सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि इसकी पवित्र उपस्थिति भगवान शिव के दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करती है। साथ ही इससे जीवन में सफलता, धन और खुशी का आगमन होता है।

शमी

हिंदू धर्म में शमी के पौधे को अत्यंत पूजनीय और पवित्र माना गया है। ऐसा माना जाता है कि इस वृक्ष में अच्छे भाग्य और समृद्धि को आकर्षित करने की शक्ति होती है, जिसके चलते लोग इसे अपने घरों में लगाते हैं। इस पवित्र दिन पर इस पेड़ को लगाने से जीवन में सफलता, धन और खुशी आदि चीजों का आगमन होता है।

मंगला गौरी व्रत से मिलेगा मनचाहा वर, नोट करें तीसरे मंगला गौरी व्रत का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

सावन के सभी मंगलवार मां पार्वती को समर्पित हैं। सावन के मंगलवार पर मंगला गौरी व्रत किया जाता है। मां मंगला गौरी माता पार्वती का ही रूप हैं। इन्हें मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी के नाम से भी जाना जाता है। इस व्रत (Mangla Gauri vrat 2024) को सुहागिन स्त्रियों द्वारा किया जाता है। चलिए, जानते हैं कि मंगला गौरी व्रत से जुड़ी जानकारी।

नई दिल्ली। Third Mangla Gauri vrat 2024-सावन के मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत किया जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही मनचाहे वर पाने के लिए व्रत भी किया जाता है। पंचांग के अनुसार, तीसरा मंगला गौरी का व्रत 06 अगस्त (Third Mangla Gauri vrat 2024 Date) को किया जाएगा। माना जाता है कि इस दिन विधिपूर्वक उपासना करने से सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन सदैव खुशियों से भरा रहता है।

चलिए इस लेख में जानते हैं कि तीसरे मंगला गौरी व्रत का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

तीसरे मंगला गौरी व्रत 2024 और शुभ मुहूर्त (Third Mangla Gauri Vrat 2024 Date Shubh Muhurat)

तीसरा मंगला गौरी व्रत शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि यानी 06 अगस्त को किया जाएगा। पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर ब्रह्म मुहूर्त 04 बजकर 21 मिनट से लेकर 05 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। वहीं, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से लेकर से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा।

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि (Mangla Gauri Vrat Puja Vidhi)

सावन में मंगला गौरी व्रत किया जाता है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इसके बाद स्नान कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। मंदिर की सफाई कर चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर शिव जी और माता पार्वती की प्रतिमा को विराजमान करें। अभिषेक कर अक्षत, कुमकुम, फूल, फल समेत आदि चीजें अर्पित करें और माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की चीजें चढ़ाएं। दीपक जलाकर आरती करें और पति की दीर्घायु के लिए प्रार्थना करें। व्रत कथा का पाठ कर भोग लगाएं और लोगों में प्रसाद का वितरण करें। इस दिन श्रद्धा अनुसार का दान करना भी फलदायी होता है।

मंगला गौरी व्रत मंत्र स्वयंवर पार्वती मंत्र

ह्रीं योगिनी योगिनी योगेश्वरी योग भयंकरी सकल स्थावर जंगमस्य मुख हृदयं मम वशं आकर्षय आकर्षय नमः॥

विवाह हेतु मंत्र

नमः मनोभिलाषितं वरं देहि वरं ह्रीं गोरा पार्वती देव्यै नमः माता च पार्वती देवी पिता देवो महेश्वरः बान्धवाः शिवभक्ताश्च, स्वदेशो भुवनत्रयम ॥

सुख-शांति हेतु मंत्र

'मुनि अनुशासन गनपति हि पूजेहु शंभु भवानि। कोउ सुनि संशय करै जनि सुर अनादि जिय जानि।

प्रेम विवाह हेतु मंत्र

हे गौरी शंकरार्धांगी। यथा त्वं शंकर प्रिया तथा मां कुरु कल्याणी, कान्त कान्तां सुदुर्लभाम्।

सफलता प्राप्ति हेतु मंत्र

ऊँ ह्रीं वाग्वादिनी भगवती मम कार्य सिद्धि कुरु कुरु फट् स्वाहा।

वॉरेन बफे की कंपनी ने एपल में 50 फीसदी तक घटाई हिस्सेदारी, क्या मंदी के डर से बेचे शेयर

वॉरेन बफे ने ऐसे वक्त में शेयर बेचे थे जब स्क500 इंडेक्स ने जुलाई के दौरान अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। हालांकि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयर थक रहे हैं। उनमें लगातार करेक्शन भी हो रहा है। पिछले 3 हफ्तों से इंडेक्स लगातार गिरावट के साथ बंद हुआ है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के चलते शेयर मार्केट लगातार फिसल रहा है।

नई दिल्ली। अमेरिकी अरबपति और दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने आईफोन और मैकबुक बनाने वाली एपल (ॠःश्रश्र) में अपनी हिस्सेदारी को करीब 50 फीसदी तक कम कर लिया है। इस भारी बिकवाली की बदौलत वॉरेन बफे के पास मौजूद कैश भंडार अब 276.9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

कई और कंपनियों में बेची हिस्सेदारी

कई आर्थिक जानकार अमेरिका में मंदी आने की आशंका जता रहे हैं। पिछले कुछ कारोबारी सत्र के दौरान अमेरिकी शेयर मार्केट में भारी गिरावट भी आई है। इस बात को शायद वॉरेन बफे पहले ही भांप लिया था और उन्होंने पिछली तिमाही में कई कंपनियों में हिस्सेदारी घटाने और अपना कैश भंडार बढ़ाने पर फोकस किया।

बर्कशायर हैथवे ने शनिवार (3 अगस्त) को बताया कि उसने दूसरी तिमाही के दौरान कई कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेची है। इससे कंपनी को कुल 75.5 अरब डॉलर मिले हैं। हालांकि, बर्कशायर हैथवे ने यह साफ नहीं किया कि उसने एपल में कितने शेयर बेचे हैं।

मंदी की आशंका से पहले बिक्री

वॉरेन बफे ने ऐसे वक्त में शेयर बेचे थे, जब स्क500 इंडेक्स ने जुलाई के दौरान अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। हालांकि, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयर थक रहे हैं।

उनमें लगातार करेक्शन भी हो रहा है। पिछले 3 हफ्तों से इंडेक्स लगातार गिरावट के साथ बंद हुआ है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के चलते शेयर मार्केट लगातार फिसल रहा है।

बफे ने मई में शेयरधारकों की बैठक में कहा था कि उन्होंने अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी और कोका-कोला में भी निवेश कर रखा है। लेकिन, एपल कहीं बेहतर बिजनेस वाली कंपनी है। उस वक्त बफे ने कहा था कि एपल उनके पोर्टफोलियो की टॉप होल्डिंग्स कंपनी बनी रहेगी। ऐसे में कई जानकार समझ नहीं पा रहे कि बफे ने एपल में अपनी हिस्सेदारी क्यों घटाई है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

मानसून सीजन में ऑयली त्वचा का ख्याल रखने के लिए जरूर अपनाएं 6 खास स्किन केयर टिप्स

मानसून में ऑयली स्किन की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में का खास ख्याल रखना पड़ता है। इसलिए अगर आपकी स्किन भी ऑयली है तो आपको यह आर्टिकल जरूर पढ़ना चाहिए क्योंकि इसमें हम आपको ऑयली स्किन केयर से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताएंगे। इनसे एक्ने की समस्या भी कम होगी और आपकी स्किन हेल्दी रहेगी।

नई दिल्ली। गर्मियों के बाद बारिश का मौसम अपने साथ कुछ राहत तो जरूर लाता है, लेकिन कई तरह की स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओं को भी साथ लाता है। इस मौसम में तरह तरह की बीमारियों के बढ़ने का जोखिम तो बढ़ता ही है।

साथ ही, कई तरह की स्किन संबंधित समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है। जिनमें ऑयली स्किन, जिसकी प्रकृति ही तैलीय है, जो बारिश की नमी के कारण और अधिक ऑयली हो जाती है। इसके कारण एक्ने, पिंपल्स, ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स जैसी स्किन प्रॉब्लम होने लगती हैं। ऐसे में इस मौसम में ऑयली स्किन का खास खयाल रखना पड़ता है। तो आइए जानते हैं, बारिश के मौसम में ऑयली स्किन की कैसे देखभाल की जाए।

क्लींजर से चेहरा साफ करें

स्किन की नेचुरल नमी को बरकरार रखते हुए, एक्स्ट्रा ऑयल से होने वाले बैक्टीरिया इन्फेक्शन से बचाने के लिए दिन में दो बार टी ट्री ऑयल बेस्ड क्लींजर से अपना फेश वॉश जरूर करें।

टोनर का इस्तेमाल करें

मॉनसून में ऑयली स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने और स्किन का पीएच लेवल को बनाए रखने के लिए किसी अच्छे टोनर का इस्तेमाल करें। इसके लिए द कप पानी में, एक चम्मच टी ट्री ऑयल और चार बूंद लेवेंडर ऑयल मिलाकर स्किन पर लगाएं। ये स्किन हेल्थ को बनाए रखने और बैक्टीरिया मुक्त रखने में मदद करता है।

स्किन मॉइश्चराइज करें

नमी और उमस भरे इस मौसम में स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड बनाए रखना जरूरी है। इसलिए चेहरे को हल्के जेल आधारित मॉइश्चराइजर से मॉइश्चराइज जरूर करें। नेचुरल उपाय के लिए गुलाब जल को चेहरे पर स्प्रे करें और कुछ देर सूखने दें ।

एक्सफोलिएट जरूर करें

डेड सेल्स और बंद रोम छिद्रों को खोलने के लिए चेहरे को हफ्ते में दो बार एक्सफोलिएट जरूर करें।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

कोई कोई सनस्क्रीन स्किन को ऑयली बनाती हैं। ऐसे में आप मिनिरल बेस्ड सन स्क्रीन लोशन लगाएं, जो मैटीफाइंग हो और जिसमें माइक्रोनाइज्ड जिंक भी हो।

फेस मास्क लगाएं

मुल्तानी मिट्टी, दूध और गुलाब जल का फेश मास्क चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे की गंदगी साफ होगी और चेहरा हाइड्रेटेड भी बना रहेगा।

छोटा-मोटा काम करने पर भी होती है थकावट, तो नेचुरली स्टेमिना बढ़ाने के लिए खाएं 8 सुपरफूड्स

दिनभर में हमें कई सारे काम और जिम्मेदारियों को पूरा करना होता है। हालांकि कई बार थोड़ा सा काम करने पर ही थकान महसूस होने लगती है जिसकी वजह से अक्सर अपने कामों को पूरा करना मुश्किल होता है। थोड़ी-थोड़ी देर में होने वाली यह थकान Low Stamina का संकेत होता है। ऐसे में आप कुछ फूड्स की मतलब से अपना स्टेमिना बढ़ा सकते हैं।

नई दिल्ली। अगर आप थोड़ा सा काम करके ही थक जाते हैं और आपको हर वक्त कमजोरी महसूस होती है, तो ऐसा स्टेमिना की कमी के कारण हो सकता है।

शरीर को हमेशा एनर्जेटिक बनाए रखने में स्टेमिना काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारे शरीर की वह शक्ति है, जो हमारे शरीर में दिनभर की गतिविधियों को करने के लिए क्षमता विकसित करती है, जिसे हम एनर्जी कहते हैं।

ऐसे में अगर आप भी जल्दी थकान महसूस करते हैं, तो आपको अपने काम को करने की क्षमता में बढ़ोतरी करने के लिए अपना स्टेमिना बढ़ाने की जरूरत है और स्टेमिना बढ़ाने के लिए आपको हेल्दी डाइट की जरूरत होती है। आइए जानते हैं कुछ सुपरफूड्स के बारे में, जो नेचुरली आपका स्टेमिना बढ़ाने में मदद करते हैं।

दलिया

दलिया में अनेक प्रकार के पोषक तत्व और फाइबर की भारी मात्रा पाई जाती है, जो जरूरी एनर्जी हासिल करने में आपकी मदद करते हैं। ऐसे में आप अपने दिन की शुरुआत इससे कर सकते हैं।

विटामिन सी युक्त फल

विटामिन सी, कैल्शियम और फाइबर से भरपूर खट्टे फल जैसे आंवला, संतरा और नींबू भी नेचुरली स्टेमिना बढ़ाने में मदद करते हैं।

केला

केले में ढेर सारा विटामिन, फाइबर और पोटैशियम पाया जाता है, जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करते हैं। ऐसे में इसे भी अपनी डाइट प्लान में जरूर शामिल करें।

चुकंदर

चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट,ब्लड फ्लो को बनाए रखने में सहायक होता है। ऐसे में इसे डाइट में शामिल करने से एनर्जी और स्टेमिना दोनों में ही बढ़ोतरी होती है।

पालक

आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन से भरपूर पालक रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मददगार होते हैं और ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। इससे एनर्जी मिलती है और स्टेमिना भी बढ़ता है।

बादाम

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर वाले बादाम में हेल्दी फैट की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो दिनभर के कामों के लिए आपको एनर्जी देता हैं। ऐसे ये स्टेमिना को बढ़ाने में भी सहायक होते हैं।

चिया सीड्स

एंटी-ऑक्सीडेंट, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और हेल्दी फैट से भरपूर चिया सीड्स लंबे समय तक चलने वाली एनर्जी देने में मदद करते हैं।

लीन प्रोटीन

टोफू, अंडे, मछली और लीन मीट जैसे प्रोटीन से भरपूर फूड्स मसल्स को रिपेयर करने और स्टेमिना को बढ़ाने का काम करते हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी-नव्या नवेली नंदा का हुआ ब्रेकअप 2 साल से एक्टर को डेट कर रही थीं अमिताभ की नातिन

बी-टाउन के रूमर्ड कपल्स की लिस्ट में सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा भी शामिल थे। दो साल तक गुपचुप डेट करने के बाद अब खबर आ रही है कि वे अलग हो गये हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धांत और नव्या ने अपने रास्ते अलग कर लिये हैं। 2022 में उनके डेटिंग की अफवाह उड़ी थी।

नई दिल्ली। फिल्मी गलियारों में कभी-कभी मूवीज से ज्यादा चर्चे सेलिब्रिटीज के अफेयर के होते हैं। कुछ स्टार्स तो अपने रिलेशनशिप को खुलेआम स्वीकार करते हैं, लेकिन कुछ गुपचुप रखना पसंद करते हैं। इस लिस्ट में सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा भी शामिल हैं। सिद्धांत और नव्या का नाम दो साल से जोड़ा जा रहा था। मगर अब उनके ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं।

गली ब्वॉय से मशहूर हुए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं। उन्होंने कभी भी अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया। नव्या और सिद्धांत के अफेयर की खबरें तब सुर्खियों में आईं, जब उन्हें साथ में मूवी डेट्स, लंच-डिनर और वेकेशन पर साथ स्पॉट किया गया।

नव्या और सिद्धांत का हुआ ब्रेकअप

2 साल तक डेटिंग की खबरों से लाइमलाइट में रहने वाले नव्या और सिद्धांत को लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिये हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत और नव्या ने अपना रिश्ता खत्म कर लिया है। हालांकि, उनका रिश्ता बुरे नोट पर खत्म नहीं हुआ है। ब्रेकअप के बावजूद वे अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल, नव्या या सिद्धांत में से किसी ने भी इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। हम इसकी पुष्टि नहीं करते हैं।

नव्या की मां से मिले थे सिद्धांत

पिछले साल अक्टूबर महीने में सिद्धांत चतुर्वेदी, नव्या नवेली नंदा और उनकी मां श्वेता बच्चन के साथ डिनर पर मिले थे। सिद्धांत और श्वेता की मुलाकात ने उनके और नव्या के रिश्ते पर मुहर लगाने का काम किया था। हालांकि, अब उनके ब्रेकअप की खबरें उनके चाहने वालों के लिए किसी शॉक से कम नहीं है।

कौन हैं नव्या नवेली नंदा

नव्या नवेली नंदा, अमिताभ बच्चन की नातिन और श्वेता बच्चन की बेटी हैं। फिल्मी दुनिया से दूर नव्या बिजनेसवुमन हैं।

वह आरा हेल्थ के नाम से एक हेल्थ प्लेटफॉर्म भी चलाती हैं। एक बार नव्या ने कहा था कि वह अपने पिता निखिल नंदा की तरह बिजनेस में नाम कमाना चाहती हैं। उनके भाई अगस्त्य नंदा एक्टर हैं।

मानसून आते ही होने लगती है शरीर में विटामिन डी की कमी, तो डाइट में शामिल करें 5 हेल्दी फूड्स

बरसात के मौसम में अक्सर कई-कई दिनों तक सूरज देखने को नहीं मिलता है। ऐसे में सूरज की पर्याप्त रोशनी न मिलने के कारण इस सीजन में शरीर में Vitamin D की कमी होने लगती है। यह विटामिन हड्डियों को मजबूत बनाने से लेकर इम्युनिटी बूस्ट करने तक में जरूरी होता है। इसके लिए आप कुछ फूड्स डाइट में शामिल कर सकते हैं।

नई दिल्ली। हमारे शरीर में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमें सेहतमंद रहने में मदद करते हैं। इनमें से कई पोषक तत्व ऐसे हैं, जिन्हें हमारा शरीर खुद बनाता है और कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी कमी फूड्स या अन्य सप्लीमेंट्स की मदद से पूरी की जाती है। Vitamin D इन्हीं में से एक है, जो हमारे शरीर के सही विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाए रखने, हमारी इम्यून सिस्टम को बेहतर रखने और पूरे स्वास्थ्य को अच्छा बनाने में मदद करता है।

सूरज की रोशनी विटामिन डी का नेचुरल सोर्स होती है, जिससे हमारे शरीर को यह विटामिन मिलता है। हालांकि, मानसून के दिनों में अक्सर आसमान में बादल छाए रहते हैं, जिसकी वजह से कई-कई दिनों तक सूरज की रोशनी नहीं मिल पाती और इसकी वजह से हमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिल पाता है। ऐसे में अपनी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल कर इसकी कमी दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में-

फैटी फिश

सैल्मन, मैकेरल और टूना जैसी फैट रिच मछलियां विटामिन डी कै एक अच्छा सोर्स होती हैं। इसे डाइट में शामिल करने से न सिर्फ सनशाइन विटामिन मिलता है, बल्कि इससे ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है, जो आपके दिल के लिए फायदेमंद होता है। ऐसे में हफ्ते में दो बार डाइट में ग्रिल्ड या बेक्ड फिश को शामिल करने से आपके शरीर में विटामिन डी की पूर्ति हो सकती है।

एग योक

अंडे की जर्दी में भी अच्छी खासी मात्रा में विटामिन डी पाया जाता है। आप इसे कई तरीके से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप अंडे को उबालकर, फ्राईड या आमलेट के रूप में खा सकते हैं। इसमें मौजूद सभी जरूरी पोषक तत्व आपको हेल्दी बनाने में मदद करते हैं।

डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स भी विटामिन डी से भरपूर होते हैं। बेहद कम लोग ही यह जानते होंगे कि ये डेयरी प्रोडक्ट्स न सिर्फ कैल्शियम प्रदान करते हैं, बल्कि इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से आपको विटामिन डी की कमी को पूरा करने में भी मदद मिलेगी, जो मजबूत हड्डियों को बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

मशरूम

मशरूम भी विटामिन डी एक बेहतरीन सोर्स होती है। अपने विकास के दौरान मशरूम सूरज की रोशनी या यूवी किरणों के संपर्क में आते हैं, जिसकी वजह से इसमें स्वाभाविक रूप से विटामिन डी होता है। ऐसे में मशरूम को अपनी डाइट में शामिल कर आप विटामिन डी की कमी को दूर कर सकते हैं।

प्लांट- बेस्ड मिल्क

शरीर में विटामिन-डी की पूर्ति करने के लिए आप प्लांट-बेस्ड मिल्क को भी डाइट में शामिल में शामिल कर सकते हैं। आप इसके लिए सोय मिल्क, बादाम मिल्क या ओट्स मिल्क जैसे फोर्टिफाइड प्लांट- बेस्ड मिल्क का विकल्प चुन सकते हैं।

2023 में धमाका करने के बाद एक बार फिर धमाल मचाएगी गदर 2, फिल्म को दोबारा किया जा रहा रिलीज

नई दिल्ली। सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई की थी। फिल्म को उम्मीद से भी बेहतर 40 करोड़ तक की ओपनिंग मिली थी। एक लंबे समय के बाद रिलीज हुई सनी देओल की फिल्म ने उनके कमबैक को न सिर्फ शानदार बनाया, बल्कि यादगार भी बनाया। फिल्म की पहली सालगिरह आने वाली है। ऐसे में मेकर्स ने एक स्पेशल चीज प्लान की है।

गदर 2 को लेकर आई ये खबर

गदर 2 हिंदी बेल्ट में साल 2023 की चौथी सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म है। फिल्म की सफलता से खुश खुद सनी देओल अपने आंसू नहीं रोक पाए। वहीं, मूवी में उनके बेटे बने एक्टर उत्कर्ष शर्मा की परफॉर्मेंस को भी लोगों ने हरी झंडी दिखाई। ये सुपरहिट फिल्म 11 अगस्त को रिलीज के एक साल पूरे करेगी। ऐसे में मेकर्स ने इसे री-रिलीज करने का प्लान किया है। लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है।

दोबारा रिलीज होगी गदर 2

गदर 2 फिल्म को उसकी पहली एनिवर्सरी पर सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया जाएगा। इसे दोबारा रिलीज करने का मकसद है कि फिल्म वह लोग भी देख और समझ सकें, जो सुन नहीं सकते। मूवी को इंडियन साइन लैंग्वेज के साथ रिलीज किया जाएगा।

सनी देओल ने जताई खुशी

फिल्म के दोबारा रिलीज होने पर सनी देओल ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा, गदर 2 एक ऐसी फिल्म रही है, जिसकी मेरे दिल में हमेशा खास जगह रहेगी। रिलीज के एक साल बाद भी दर्शकों से मिल रहे प्यार और सपोर्ट को देख अच्छा लग रहा है। इंडियन साइन लैंग्वेज के साथ इस बार फिर से रिलीज होने से फिल्म और भी अधिक दर्शकों के दिलों को छू पाएगी।

क्या पालक देख आपके बच्चे भी बनाते हैं नाक-मुंह, तो उनके लिए बनाएं ये 5 टेस्टी डिशेज

पोषक तत्वों से भरपूर पालक बच्चों की सेहत और उनके सही विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। हालांकि इसे बच्चों को खिलाना काफी मुश्किल भरा होता है क्योंकि पालक का नाम सुनते ही बच्चे नाक-मुंह सिकुड़ने लगते हैं। ऐसे में उन्हें पालक खिलाना पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा टास्क हो जाता है। इसके लिए आप कुछ हेल्दी डिशेज ट्राई कर सकते हैं।

नई दिल्ली। बच्चों के हेल्थ के लिए हरी सब्जियां बहुत ही महत्वपूर्ण होती हैं। हरी सब्जियों में भी हरी पत्तेदार सब्जियों बेहद फायदेमंद होती हैं, जैसे पालक, मेथी, चौलई, बथुआ आदि। बच्चों को ये सब्जियां सीधे तौर पर पका कर खिलाना बहुत ही टेढ़ी खीर होती है, क्योंकि इसके फीके स्वाद इन्हें पसंद नहीं आते हैं।

कुछ बच्चे इनके टेक्सचर से भी दूर भागते हैं। ऐसे में अपने बच्चों को पालक खिलाना हो, तो ट्राई करें कुछ ऐसे क्रिएटिव तरीके जिससे बच्चे आसानी से इसे खा लें और उन्हें पता भी न चले। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ क्रिएटिव तरीके बच्चों को पालक खिलाने के -

पालक थालीपीठ

एक कटोरे में ज्वार का आटा, चावल का आटा, बेसन, जीरा, नमक, दही, बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च और पालक मिला कर अच्छे से आटे की तरह गूंथ लें। बटर पेपर पर तेल लगा कर चिपटे-चिपटे थालीपीठ बना कर बीच में छेद करें और तवे पर सेंकें।

पालक मठरी

पालक को धुल कर पीस लें। मैदा और आटा मिला कर इसमें घी से मोयन दें। अजवाइन, कलौंजी, नमक डाल कर पीसे हुए पालक से आटा गूंथ लें। फिर इसे पतला बेल कर चाकू से चौकोर-चौकोर टुकड़े काट लें और फ्राई करें। क्रिस्पी पालक मठरी तैयार है।

पालक वेजी चीला

सूजी में दही डालें। पालक को पीस कर प्यूरी बनाएं और सूजी में डालें। फिर बारीक कटी प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, हरी धनिया और नमक डाल कर सभी सामग्री को एकसाथ मिलाएं और चीला का बैटर तैयार करें। तवा पर एक चम्मच घी डालें और बैटर का एक बड़ा स्पून तवा पर फैला दें। दोनों तरफ से पकाएं। पालक वेजी चीला तैयार है।

पालक छोले पुलाव

कुकर में तेल या घी डालें। जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी, लौंग, इलायची जैसे गरम मसालों का तड़का दे कर बारीक कटी लहसुन और प्याज डालें और भुनें। फिर पालक की प्यूरी डालें और पकाएं। उबले हुए काबुली चने डालें और फिर धुल कर भींगे हुए बासमती चावल डालें। नमक डाल कर पानी बढ़ाएं और कुकर में एक सीटी आने तक पैक कर दें। गर्म गर्म पालक छोले पुलाव तैयार है।

मानसून आते ही क्यों बढ़ जाते हैं कान में इन्फेक्शन के मामले डॉक्टर ने बताए कारण और बचाव के तरीके

बरसात के मौसम में कई बीमारियां और संक्रमण लोगों को अपना शिकार बना लेती हैं। इन दिनों मच्छरों और पानी से होने वाली बीमारियों के अलावा कान और आंख में इन्फेक्शन के मामले भी काफी बढ़ जाते हैं। इसलिए इसके बारे में सही जानकारी होने बेहद जरूरी है। ऐसे में कानों में होने वाले इन्फेक्शन के बारे में विस्तार से जानने के लिए हमने डॉक्टर से बातचीत की।

नई दिल्ली। बरसात का सीजन सुहाने मौसम के साथ ही कई सारी बीमारियां और संक्रमण भी लेकर आता है। इस मौसम में जहां मच्छरों, पानी और खाने से होने वाली कई गंभीर बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं, तो वहीं आंखों और कानों में होने वाले संक्रमण का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इस मौसम में कई लोग कान में संक्रमण की वजह से परेशान रहते हैं। ऐसे में इससे अपना बचान करना जरूरी है, वरना कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बरसात में होने वाले कान के संक्रमण के बारे में विस्तार से जानने के लिए हमने सीके बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम में एलर्जी और ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विजय वर्मा से बातचीत की और यह जाना कि मानसून में क्यों बढ़ जाते है ईयर इन्फेक्शन के मामले और कैसे करें इससे बचाव-

बरसात में क्यों बढ़ जाता है इन्फेक्शन का खतरा

डॉक्टर बताते हैं कि मानसून के मौसम में हाई ह्यूमिडिटी और गीले मौसम के कारण, कान में संक्रमण काफी आम हो जाता है। ईयर कैनल में बहुत ज्यादा नमी, जो बैक्टीरिया और फंगस को बढ़ावा दे सकती है, कान के संक्रमण के मुख्य कारणों में से एक है। बीमारी और इन्फेक्शन फैलाने के वाले कीटाणु ज्यादा ह्यूमिडिटी और बारिश वाली जगहों में पनपते हैं और लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहते हैं, जिससे ईयर इन्फेक्शन की समस्या और भी बदतर हो सकती है इसके अलावा, मानसून में साइनस इन्फेक्शन भी अक्सर बढ़ जाता है और कानों तक पहुंच सकता है, जिससे ओटिटिस मीडिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ईयर इन्फेक्शन से ऐसे करें बचाव

कान के संक्रमण से बचने के लिए पूरे मानसून के मौसम में कानों को साफ रखें और इन्हें सूखा बनाए रखें।

तैरने समय या बारिश में भीगने पर कान को सुखाने के लिए तौलिए की मदद से हल्के हाथों से साफ करें।

कान केनल के अंदर कुछ भी डालने से बचें। तैराकी करते समय अपने कानों से पानी से बचाने के लिए इयरप्लग्स पहनें। पर्सनल हाइजीन को लेकर सचेत रहें और अन्य लोगों को इयरप्लग या तौलिये का न तो इस्तेमाल करें और न ही अपना सामान किसी और को दें। संक्रमण को बदतर होने से रोकने के लिए, जैसे ही आपको कान में दर्द या डिस्चार्ज जैसे लक्षण दिखाई दें, तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। अपने घर में पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था रखें और साथ ही घर के अंदर नमी को कम करने की कोशिश करें, जिससे कान में संक्रमण का खतरा बढ़ता है।

गूगल की सर्चिंग पर छाया फ्रेंडशिप डे , इस वजह से हर साल अगस्त में मनाया जाता है यह दिन

नई दिल्ली। दोस्त, एक ऐसा शब्द जिसे बयां करने लिए किसी और शब्द की जरूरत नहीं होती। यह एक खास रिश्ता होता है, जिसे हम खुद अपने लिए चुनते हैं। दोस्त हमारा परिवार भी होता है और हमारी करतूतों में साथ देने के लिए सच्चा पार्टनर भी। दोस्ती की यह अहमियत कई फिल्मों और गानों में भी देखने को मिलती है।

यारों दोस्ती बड़ी ही हसीन है से लेकर हर एक फ्रेंड जरूरी होता है, तक पर्दे पर दोस्ती के हर पहलू की झलक देखने को मिलती है। यह एक ऐसा रिश्ता है, जो बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के अपने आप ही जुड़ जाता है।

गूगल पर छाया Friendship Day

दोस्ती के इस खास दिन के मौके पर लोग गूगल पर लगातार फ्रेंडशिप डे सर्च कर रहे हैं, जिसकी वजह से यह गूगल ट्रेंड बन चुका है। लोगअलग-अलग वजहों से इस दिन को सर्च कर रहे हैं। कुछ लोग गूगल पर इसकी तारीख तलाश रहे हैं, तो वहीं कुछ अपने दोस्तों के लिए गिफ्ट्स और मैसेज सर्च कर रहे हैं और इसी वजह फ्रेंडशिप डे आज के गूगल ट्रेंड पर छाया हुआ है।

ऐसे में लोगों की सर्चिंग और ट्रेंड को देखते आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे फ्रेंडशिप डे क्या है, क्यों मनाया जाता है।

लगातार सर्च किया जा रहा फ्रेंडशिप डे

फ्रेंडशिप डे और इससे जुड़ी अलग-अलग चीजों के बारे में जानने के लिए लोग लगातार गूगल पर इसे सर्च कर रहे हैं। इसकी लगातार सर्चिंग का ही असर है कि अब तक गूगल पर फ्रेंडशिप डे को लेकर काफी ज्यादा सर्चेज की जा चुकी है। ऊपर नजर आ रही तस्वीर में यह साफ है कि लोग इंटरनेट पर इससे जुड़ी कई चीजों को सर्च कर रहे हैं। इतना ही नहीं पिछले कुछ घंटों में इस एक शब्द पर सर्चिंग में 550त्न का उछाल देखने को मिल रहा है।

फ्रेंडशिप डे पर कंफ्यूज लोग

हालांकि, फ्रेंडशिप डे की सर्चिंग में लोगों की कंफ्यूजन भी साफ नजर आ रही है। दरअसल, पिछले दिनों 31 जुलाई को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे मनाया गया था, जिसे लेकर लोग अभी भी कंफ्यूज नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि इंटरनेट पर फ्रेंडशिप डे की सर्चिंग में उछाल देखने को मिल रहा है। नीचे दिए ग्राफ से यह साफ नजर आ रहा है कि पिछले कुछ दिनों से इस टर्म की सर्चिंग में लगातार उतार-चढ़ाव रहा है।

देश में यहां सबसे ज्यादा सर्च

बात करें देश के अलग-अलग हिस्सों की, तो नीचे दी गई तस्वीर में आप यह समझ सकते हैं कि भारत में सबसे ज्यादा किस जगह फ्रेंडशिप डे सर्च किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक समेत दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा इस टर्म को सर्च किया गया है। इसके अलावा पुडुचेरी और नागालैंड में भी लोग इसे काफी सर्च कर रहे हैं।

फ्रेंडशिप डे क्या है?

जैसाकि नाम से भी समझ आता है, Friendship Day एक खास दिन है, जो दोस्तों को समर्पित है और दोस्ती का जश्न मनाने का एक मौका है। यह दिन एक मौका है अपने दोस्त के लिए प्रति अपना प्यार और आभार व्यक्त करने के साथ ही उनकी प्रशंसा करने का।

कब और क्यों मनाया जाता है यह दिन

फ्रेंडशिप डे को मनाने की शुरुआत सबसे पहले हॉलमार्क कार्ड्स के संस्थापक जॉयस हॉल ने की थी। उन्होंने यह दिन दोस्ती का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए शुरू किया था। बाद में उनके इस विचार को अन्य लोगों को भी प्रभावित किया और इस तरह वैश्विक स्तर पर इसके जश्न के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गईं। हालांकि, साल 2011 में संयुक्त राष्ट्र ने 30 जुलाई को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे के रूप में मनाने की घोषणा की।

भारत में कब मनाया जाता है यह दिन

भले ही यूएन की तरफ से इस दिन को मनाने के लिए 30 जुलाई का दिन तय किया गया, लेकिन भारत में हर साल अगस्त के पहले रविवार को यह दिन सेलिब्रेट किया जाता है। भारत के अलावा अमेरिका, भारत, बांग्लादेश जैसे कई देशों में भी अगस्त में पहले रविवार को फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है। इस बार यह दिन भारत में 4 अगस्त को सेलिब्रेट किया जाएगा। वहीं, मैक्सिको, इक्वाडोर जैसे कई देश 14 फरवरी को फ्रेंडशिप डे मनाते हैं। जबकि सिंगापुर के मूल निवासी अप्रैल के तीसरे सप्ताह में फ्रेंडशिप डे मनाते हैं।

अगस्त में ही क्यों मनाते हैं फ्रेंडशिप डे

बात करें अगस्त के पहले रविवार को इस दिन को मनाने की, तो ऐसा कहा जाता है कि अमेरिका में साल 1935 में अगस्त के पहले रविवार को एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद उस व्यक्ति के एक खास दोस्त ने इसे घटना के बारे में पता चलने पर दुखी होकर अपनी जान दे दी।

बच्चों के लिए बनाना चाहते हैं कुछ खास, तो ऐसे बनाएं टेस्टी बर्गर

नई दिल्ली। बर्गर एक ऐसा फास्ट फूड है, जो बच्चों को खूब पसंद आता है। आप कितना भी मना करें बच्चे बर्गर खाने से पीछे नहीं हटते, क्योंकि ये खाने में बहुत टेस्टी होता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है आप घर पर भी कुछ बर्गर रेसिपीज ट्राई कर सकते हैं, जो बच्चों को खूब पसंद भी आएगा और ये बार-बार बाहर खाने की जिद भी नहीं करेंगे।

पनीर बर्गर

सामग्री

पनीर- 200 ग्राम क्यूब्स
शिमला मिर्च 1/2 कप बारीक कटी हुई, प्याज 1/4 कप बारीक कटी हुई
ओरेगैनो 1 चम्मच, चिली पाउडर-1 चम्मच, नमक और काली मिर्च-स्वादानुसार, बर्गर बन्स- 4
लेट्युस, टमाटर और खीरा- फिलिंग के लिए हरी चटनी या मेयोनीज-फिलिंग के लिए

विधि-

पनीर बर्गर बनाने के लिए सबसे पहले पनीर, शिमला मिर्च, प्याज, ओरेगैनो, चिली पाउडर, नमक, और काली मिर्च को अच्छे से मिला लें। अब मिश्रण को पाटी के आकार में बनाएं और एक पैन में तेल गरम करके पाटी को दोनों ओर से अच्छे से सेक लें। अब बर्गर बन्स को तवे पर सेके या टोस्ट करें। बन्स पर पनीर पाटी रखें और ऊपर लेटस, टमाटर और खीरा डालें। हरी चटनी या मेयोनीज डालें और बर्गर को सर्व करें।

वेज बर्गर

सामग्री-

आलू- 1 कप उबले और मैश किए हुए, गाजर- 1/2 कप उबली और मैश की गई, मटर- 1/2 कप उबले और मैश किए हुए, प्याज- (बारीक कटा हुआ), ब्रेडक्रंब- 1/2 कप, जीरा पाउडर- 1 चम्मच,धनिया पाउडर- 1 चम्मच, नमक और काली मिर्च-स्वादानुसार, बर्गर बन्स-4, लेट्युस, टमाटर, और प्याज- फिलिंग के लिए, हरी चटनी या टोमेटो सॉस- फिलिंग के लिए

विधि-

वेज बर्गर बनाने के लिए सबसे पहले उबले और मैश किए हुए आलू, गाजर, मटर, प्याज, ब्रेडक्रंब, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, नमक और काली मिर्च को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को पाटी के आकार में बनाएं। एक पैन में तेल गरम करें और पाटी को दोनों ओर से अच्छे से सेक लें। अब बर्गर बन्स को सेकें या टोस्ट करें। बन्स पर वेज पाटी रखें और ऊपर लेट्युस, टमाटर और प्याज डालें। हरी चटनी या टोमेटो सॉस डालें और बर्गर को सर्व करें ।

प्रतिशोध के त्याग बिना पुण्य का फल नहीं मिलता है- साध्वी सुचिता श्रीजी मसा

महावीर जिनालय विकास नगर श्री संघ में साध्वी सोम्यरेखा श्रीजी साध्वी वृंद की चातुर्मासिक धर्म सभा प्रवाहित

नीमच। मानव जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का लड़ाई झगड़ा हो तो प्रतिशोध नहीं लेना चाहिए गलती करने वाले को क्षमा कर महानता का परिचय देना चाहिए। यदि हमारे मन में प्रतिशोध की भावना रहेगी तो हमें पुण्य का फल कभी नहीं मिल सकता है। जीवन में मानव को पानी की तरह निर्मल रहना चाहिए और कभी भी बदला नहीं लेना चाहिए ।सदैव सहयोगी बन कर रहना चाहिए। पड़ोसी मित्र परिचितऔर रिश्तेदार सभी के प्रति करुणा की भावना होनी चाहिए। किसी भी बात को लेकर उनके प्रति हिंसा का भाव मन में नहीं रहना चाहिए इससे भी पाप लगता है मौन व्रत शांति का प्रतीक है। यह बात साध्वी सोम्यरेखा श्री जी महाराज साहब की सुशिष्या साध्वी सुचिता श्रीजी मसा ने कही।वे जैन श्वेतांबर महावीर जिनालय ट्रस्ट विकास नगर श्री संघ के तत्वाधान में श्री महावीर जिनालय विकास नगर आराधना भवन नीमच में आयोजित धर्म सभा में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर के जन्म पर 56 दिक कुमारियां प्रसन्नता के साथ भगवान के जन्म की सूचना देने आती है। तीर्थंकर के जन्म पर 400 योजन तक राग द्वेष का भाव नष्ट हो जाता है। हमें भी जीवन में राग द्वेष का त्याग कर देना चाहिए तभी हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है।

400 योजन तक सभी को आनंद आता है। कभी मंदिर की अंजन शलाका कार्यक्रम हो तो भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त करना चाहिए तो अगले जन्म में हम वास्तव में भी तीर्थंकर के माता-पिता बन सकते हैं। इस वर्षावास में सागर समुदाय वर्तिनी सरल स्वभावी दीर्घ संयमी प.पू. शील रेखा श्री जी म.सा. की सुशिष्या प.पू.सौम्य रेखा श्री जी म सा, प.पू. सूचिता श्री जी म सा, प.पू.सत्वरेखा श्री जी म साआदि ठाणा 3 का चातुर्मासिक तपस्या उपवास जप व विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रारंभ हो गया है। श्री संघ अध्यक्ष राकेश आंचलिया जैन, सचिव राजेंद्र बंबोरिया ने बताया कि प्रतिदिन 9-15 बजे चातुर्मास में विभिन्न धार्मिक विषयों पर विशेष अमृत प्रवचन श्रृंखला का आयोजन होगा । समस्त समाज जनअधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ लेवें एवं जिन शासन की शोभा बढ़ावे।

महाकाल के लिए रवाना हुई दुसरी कावड़ यात्रा, 240 किमी का सफर तय कर 5 दिन में पहुचेंगे कावड़ यात्री

नीमच। चैतन्य बालाजी भक्त मंडल के तत्वाधान में नीमच से उज्जैन के लिए दूसरी कावड़ यात्रा सावन के 3 रे सोमवार को निकाली गई, यह कावड़ यात्रा स्कीम नंबर 9 स्थित चैतन्य बालाजी मंदिर से बेंड बाजो के साथ पर प्रारंभ हुई जो जाजू बिल्डिंग तिलक मार्ग घंटाघर नया बाजार बारादरी होते हुए माधो पूरी बालाजी पहुंची यहां से करीब 13 पैदल यात्री उज्जैन के लिए रवाना हुए। इस यात्रा में बैंड बाजे की धुन पर महिलाएं जमकर नृत्य कर रही थी, यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, यात्रा में शिव के रूप में स्वांग धारी भी शामिल थे,उक्त संदर्भ में भक्त मंडल के सदस्य पवन सैनी ने सागर मंथन को जानकारी देते हुए बताया कि चैतन्य बालाजी भक्त मंडल के तत्वाधान में आज सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर दूसरी कावड़ यात्रा नीमच से उज्जैन महाकाल के लिए निकाली गई है इस कावड़ यात्रा में 13 कावड़ यात्री शामिल है जो करीब 240 किलोमीटर का सफर तय कर उज्जैन महाकाल पहुंचेंगे, यह 6 दिन की यात्रा है जो नीमच के चैतन्य बालाजी मंदिर से प्रारंभ हुई है और माधोपुरा बालाजी मंदिर से पैदल यात्री पिपलिया मंडी पहुंचेंगे जहां रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन दलोदा जावरा नागदा खाचरोद होते हुए उज्जैन पहुंचेंगे ओर उज्जैन पहुच कर महाकाल का अभिषेक किया जाएगा।

गरोठ एवं बरखेड़ा गंगासा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भोले बाबा की कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया

मंदसौर। जिले के प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गरोठ से कावड़ यात्रा पिपलिया जाति होती हुई बरखेड़ा जय मां दुर्गा पेट्रोलियम पंप पहुंची पंप के कार्यकर्ता द्वारा अल्पाहार व चाय पानी की व्यवस्था की गई व सभी बाबा के भक्तों का फूल वर्ष से स्वागत किया गया बरखेड़ा श्री दुधाखेड़ी पहुंची व बरखेड़ा से भी कावड़ यात्रा दुधाखेड़ी माताजी पहुंची वही सभी भक्तों ने मां दुधाखेड़ी के दर्शन कर वहीं से दोनों कावड़ यात्रा साठखेड़ा चौराहा राम रसोड़ा पहुंची वहीं भक्तों ने अल्पाहार किया वह कुछ समय विश्राम कर फिर से डीजे ढोल बाजे के साथ यात्रा प्रारंभ की जो कि पूरे नगर में भ्रमण करती हुई बाबा के भक्तों द्वारा बाबा के भजनों पर झूमते गाते बड़ी उत्साह के साथ भक्तजन नजर आए वही बाबा की यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत भी किया गया बाबा के जयकारे लगाते हुए। बारहमासी खड़ावदा से सेमरोल होती हुई पूरा 16 किलोमीटर रास्ता तय करती हुई बाबा की भक्तों की कावड़ यात्रा मलकाना महादेव पहुंची जहां पर बाबा के भक्तों द्वारा बाबा का जल अभिषेक कर सभी भक्तों ने भोले बाबा की महाआरती की व सभी भक्तों ने मलकाना महादेव भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया वह पूरी यात्रा के साथ गरोठ थाने से पुलिस के जवान भी यात्रा के साथ रहे।

पहाड़ों के बीच झरनेश्वर महादेव, बाबा के दर्शन के साथ आकर्षक झरने का आनंद

हरियाली अमावस्या पर पहुंचे 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु

मनासा। सावन माह की हरियाली अमावस्या रविवार को मनाई गई। जिले भर के पर्यटक स्थलों पर सुबह से भीड़ है। मनासा तहसील अंतर्गत ग्राम चौकड़ी के समीप पहाड़ियों में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन स्थल झरनेश्वर महादेव में सुबह से ही दर्शन करने व सैकड़ों फीट ऊंचाई से गिरता हुआ झरना देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दिनभर में करीब 20 हजार से अधिक लोगों ने हरियाली अमावस्या पर झरनेश्वर महादेव पहुंचे दर्शन लाभ लेकर झरने का आनंद लिया। प्रशासन द्वारा झरने के समीप सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए है। बावजूद कई युवा झरने के समीप ऊंचाई से कुंड में कूदते हुए ओर नहाते देखे गए। मनासा नायाब तहसीलदार, कंजार्डा चौकी प्रभारी सहित पुलिस जवान मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौका स्थल पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। झरनेश्वर महादेव में सुबह 8 बजे से लेकर देर शाम 7 तक बारिश के बीच भी भी हजारों की तादाद में लोग पहुंचे और दर्शन लाभ लेकर झरनों का आनंद दिया।

गांधी वाटिका का होगा कायाकल्प, सुरक्षा के मद्देनजर लगाए जाएंगे कैमरे, पुलिस गश्त की मांग

सुविधाओं को लेकर भाजपा पार्षद दल व नपा अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नीमच। शहर के दशहरा मैदान के समीप स्थित एकमात्र नगर पालिका का बगीचा जहां अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है कहीं जलीय टूटी हुई है तो कहीं कीचड़ का आलम है यहां मौजूद सुविधा घर के दरवाजे और नल की टोटियां भी टूटी हुई है यहां लगा म्यूजिकल फाउंटेन भी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है जिसकी शिकायत नगर पालिका और भाजपा पार्षद दल को भी निरंतर मिल रही थी उक्त शिकायतों के निराकरण को लेकर आज सोमवार को नगर पालिका के अधिकारी और भाजपा पार्षद दल के सदस्यों ने गांधी वाटिका का निरीक्षण किया साथ ही यहां मौजूद अव्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

भाजपा पार्षद मनोहर मोटवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के मध्य नगर पालिका का एकमात्र बगीचा गांधी वाटिका स्थित है जहां की अव्यवस्थाओं को लेकर निरंतर शिकायत मिल रही थी आज उसी को लेकर यहां का निरीक्षण किया गया है यहां सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं इसके अतिरिक्त रात्रि गस्त के लिए पुलिस को भी पत्र लिखा जाएगा,पेवर ब्लॉक टूटी हुई जालियां, बंद पड़े फवारे, शौचालय के टूटे दरवाजे और नल की टोटियां,रंग रोगन,सहित अन्य व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश सम्बंधित को दिए गए हैं।

आगामी एक से डेढ़ माह में गांधी वाटिका के बगीचे का विकास हो जाएगा ओर असामाजिक तत्वों पर भी निगरानी रखी जाएगी ताकि वे बगीचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके ओर शालीनता से यहां घूमने आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो उसका भी ध्यान रखा जाएगा।

तपस्याआत्म शांति और आत्म का माध्यम है - सुप्रभ सागर जी महाराज

दिगम्बर जैन समाज में चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला प्रवाहित

नीमच। पवित्र मन से की गई तपस्या आत्म शांति और आत्म विकास का माध्यम होता है। आसक्ति के त्याग बिना परिणाम में परिवर्तन नहीं होता है।हम नियम का संकल्प ले तभी हमें पुण्य का लाभ मिलता है।यह बात सुप्रभ सागर जी महाराज साहब ने कही।वे पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज नीमच द्वारा दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में बोल रहे थे ।उन्होंने कहा कि यदि हमारा संयम और नियम दृढ़ निश्चय है तो वह नियम महावर्ती बन जाता है। भगवान करुणा के सागर होते हैं।

मुनि वैराग्य सागर जी मसा ने कहा कि जीव का पुण्य जब होता है तो उसे दिशा में भगवान चले जाते हैं। जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो कम सोना चाहिए आलस्य नहीं करना चाहिए। मेरे को जैसा बनाएं वैसा बन जाता है इसके शरीर को सदैव सक्रिय रखना चाहिए। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है। स्वस्थ रखना है तो पेय पदार्थ के साथ भोजन नहीं करना चाहिए ।भोजन करने के 1 घंटे बाद पानी पीना चाहिए। आदिवासी मजदूरों को हृदय, शुगर व रक्तचाप का रोग नहीं होता है क्योंकि वे परिश्रम करते हैं इसलिए हमें सदैव परिश्रमी रहना चाहिए आलसी नहीं होना चाहिए।

परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती 108 शांति सागर जी महामुनि राज के पदारोहण के शताब्दी वर्ष मे परम पूज्य मुनि 108 श्री वैराग्य सागर जी महाराज एवं परम पूज्य मुनि 108 श्री सुप्रभ सागर जी महाराज जी का पावन सानिध्य मिला। उक्त जानकारी चातुर्मास समिति के स्वागत अध्यक्ष जंबू कुमार जैन, मिडिया प्रभारी अमन विनायका ने दी।

गरीब की सहायता का करे तो पूरे वर्ष दिवाली का सुख मिल सकता है- आचार्य जिन सुंदर सुरीश्वर जी महाराज साहब जी मसा

नीमच। दीन दुखियों की सहायता करना ही सच्चा मानव धर्म होता है कभी गरीब की सहायता करें तो वर्ष भर दिवाली का सुख मिलता है। गरीब व्यक्ति की सहायता करने से जो सुख मिलता है वह सुख संसार में कहीं नहीं मिलता है।यह बात आचार्य जिन सुंदर सुरी श्री जी महाराज ने कहीं ।वे जैन श्वेतांबर श्री भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर श्री संघ ट्रस्ट पुस्तक बाजार के तत्वावधान में मिडिल स्कूल मैदान स्थित जैन भवन में आयोजित धर्म सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पैसे के अमीर बनने का कोई महत्व नहीं होता है ।दिल के अमीर बनो तो महत्व होता है। यदि हम स्वार्थ का जीवन जीते हैं तो पृथ्वी पर भार समान होते हैं और अरबों रुपए कमाने के बाद भी हमारा मानव जीवन पशु के समान होता है। मुंबई के मलाड में दलीचंद जैन कपड़ा व्यवसायी ने अपने नौकर को एक दुकान खुलवाकर प्रदान कर दी और नौकर को सेठ बना दिया था जो आज भी प्रेरणादाई प्रसंग है। अपने सुख में भी साझेदार बनाए और दूसरे के दु:ख में भी साझेदार बने तभी जीवन सफल हो सकता है।पूज्य आचार्य भगवंत श्री जिनसुंदर सुरिजी मसा , धर्म बोधी सुरी श्री जी महाराज आदि ठाणा 8 का सानिध्य मिला। प्रवचन एवं धर्मसभा हुई।

प्रतिदिन सुबह 9.15 बजे प्रवचन करने के व साध्वी वृंद के दर्शन वंदन का लाभ नीमच नगर वासियों को मिला प्रवचन का धर्म लाभ लिया।

कल्याणमय कावड़ यात्रा से नगर हुआ शिवमयी

त्रिवेणी संगम में रविवार शाम तक नदी में नहीं था जल सोमवार सुबह जल प्रवाह के साथ चलने लगी तीनों नदियां

निंबाहेड़ा। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ पर श्रावण मास के तृतीय सोमवार यानि श्रावण शुक्ला प्रतिपदा को जन-जन के आराध्य ठाकुरजी का सहस्त्रधाराभिषेक करने के लिए कल्याणमय कावड़ यात्रा निकाली गई। वेदपीठ के पदाधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अभिजीत मुहूर्त में दोपहर सवा 12 बजे आक्या महादेव त्रिवेणी संगम से कावड़ यात्रा प्रारंभ हुई। त्रिवेणी संगम पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी त्रिवेणी संगम नदियों की वैदिक मंत्रोचार के साथ विधिवत पूजा करने के साथ आक्या महादेव से सभी कावड़ियों ने जल भरकर सजी धजी कावड़ लेकर रवाना हुए। श्री कल्लाजी वेदपीठ से जुड़े वीर-वीरांगनाएं, शक्ति ग्रुप की बालिकाएं, कृष्णा शक्ति दल की माता बहने एवं कल्याण भक्तों द्वारा 108 सजी धजी कावड़ियां लेकर डीजे साउण्ड, ढोल नगाड़ों और बैण्ड की भजनानंदी स्वर लहरियों के साथ प्रस्थान कर त्रिवेणी संगम से होते हुए अम्बे माता मंदिर मार्ग से ढ़ाबेश्वर महादेव, जावद दरवाजा, सब्जी मंडी, मोती बाजार, पंचोली चौराहा, सावंतसिंह चौराहा और कल्याण चौक होते हुए शाम 4 बजे कमधज नगर स्थित कल्लाजी मंदिर पहुंचें। कावड़ यात्रा में शामिल हर व्यक्ति जय कल्याण, कमधज कल्ला राठौड़ की जय के जयकारों के साथ नगर में कल्याणमय कावड़ यात्रा की लहर रही।

जहां कावड़ियों में लाए गए पवित्र जल से ठाकुरजी का वैदिक विधान के साथ सहस्त्रधाराभिषेक किया गया। प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली इस कावड़ यात्रा का पूरे मार्ग में नगरवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

ब्राह्मण सोशल ग्रुप का वृहत कार्यक्रम 10 अगस्त को

पुजारियों के सम्मान के साथ होगा व्याख्यान

नीमच। ब्राह्मण सोशल ग्रुप प्रबंध समिति जिला नीमच के तत्वाधान में सावन मास के पावन उपलक्ष्य में आज के परिवेश में समाज एवं राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व विषय पर विशेष व्याख्यान 10 अगस्त को शाम 7 बजे टाउन हॉल दशहरा मैदान सभागार में आयोजित किया जाएगा। सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चेतन व्यास मामा, सचिव जैसी शर्मा, कोषाध्यक्ष कन्हैया लाल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मंदिर के पुजारियों का सोशल ग्रुप द्वारा सम्मान किया जाएगा ।

एक्टिजन क्लब द्वारा एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

नीमच। जिले के मनासा एवं जावद ब्लॉक के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम नीमच के उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सी. के. शर्मा विशेष अतिथि बीएओ जावद अब्बास बोहरा, बीएओ नीमच सत्यनारायण परमार,उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार व्यास एवं नोडल अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा मैडम थे।

यह कार्यक्रम देश अपनाएं सहयोग फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे एक्टिजन क्लब कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य बच्चों को सतर्क, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनाना है। यह क्लब कक्षा 9 वीं के छात्रों के लिए तैयार किया गया है, जिसमें प्रत्येक माह 45 मिनट की उत्साहवर्धक, ज्ञानवर्धक, अनुसंधान आधारित, कला आधारित एवं अनुभव आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं।देश के बड़े उद्योगपति, निवेशक और बैंकर वल्लभ भंसाली द्वारा वर्ष 2015 में देश अपनाएं सहयोग फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बच्चों में नागरिकता के गुणों का विकास करना है। इस कार्यक्रम में संस्था के प्रोग्राम मैनेजर अशोक पांचाल, सुश्री वैष्णवी देशमुख, संजय चौधरी, धीरज राठौर, अजय सेन उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस फुटबाल स्पर्धा - आज नीमच ब्रदर्स व हीरोज फुटबाल क्लब तथा एनएफए व मंडी फुटबाल क्लब के बीच होगा मुकाबला

नीमच। नगरपालिका परिषद्, नीमच द्वारा नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में जिला फुटबाल संघ के सहयोग से दशहरा मैदान, नीमच पर 02 अगस्त से प्रारंभ हुई स्वतंत्रता दिवस फुटबाल स्पर्धा के अंतर्गत 7 अगस्त बुधवार को दो मैच खेले जावेंगे। प्रथम मैच दोपहर 1 बजे नीमच ब्रदर्स फुटबाल क्लब व हीरोज फुटबाल क्लब के बीच खेला जावेंगा। इसी प्रकार दूसरा मैच दोपहर 3 बजे एनएफए फुटबाल क्लब व मंडी फुटबाल क्लब के बीच खेला जावेगा।

उपरोक्त जानकारी देते हुए नपा के कार्यालय अधीक्षक कन्हैयालाल शर्मा तथा डीएफए सचिव प्रमोद शर्मा ने बताया कि 7 अगस्त को दोपहर 1 बजे होने वाले प्रथम मैच में अतिथि के रूप में समाजसेवी श्री अशफाक भाई बोहरा, रविन्द्र मेहता, दिनेश पटेल, राजेश जैन, श्रीचंद वर्धानी, श्री मनीष (पप्पू), सुधीर (गिरनार), संभव जारोली, विनोद छाबड़ा, मुकेश जेठानी व दोलतराम चारण उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार 7 अगस्त को दोपहर 3 बजे होने वाले दूसरे मैच में अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री मुस्तफा हुसैन, श्री भुपेन्द्र गौड़, श्री श्याम गुर्जर, श्री गौरव तिवारी, श्री विवेक खण्डेलवाल, श्री विमल काठेड़, श्री मुकेश सहारिया, श्री संजय यादव, श्री दीपक खताबिया, श्री भारतसिंह सौलंकी, श्री राहुल जैन व श्री राकेश सोन उपस्थित रहेंगे। नगरपालिका परिषद्, नीमच व जिला फुटबाल संघ, नीमच ने समस्त फुटबाल प्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने व स्पर्धा को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

नीलकंठ महादेव से 18 किलो मीटर का पैदल सफर तय कर नीमच पहुची चौथी कावड़ यात्रा, 131 कावड़िये हुवे शामिल

नीमच। श्री टेढेश्वर महादेव मित्र मंडल के तत्वाधान में प्रतिवर्ष पवित्र सावन माह के तृतीय सोमवार को निकाले जाने वाली कावड़ यात्रा का भव्य आयोजन इस वर्ष भी 5 अगस्त सोमवार को किया गया। यह कावड़ यात्रा नीलकंठ महादेव (बोरखेड़ी पानेरी) से भगवान भोले नाथ का अभिषेक कर नीलकंठ महादेव से प्रारम्भ हुई जो ग्राम रेवली देवली, गिर दौड़ा, पीजी कॉलेज होती हुई मनासा नाका स्थित श्री जैन दिवाकर छात्रावास पहुची जहा कुछ देर विश्राम के बाद,बेंड बाजो व ढोल की थाप पर भोले के जयकारे लगाते हुवे छात्रावास से शुरू होकर नीमच सिटी के मुख्य मार्ग से होती हुई ।

खेड़ी मोहल्ला स्थित श्री टेढ़ेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां नीलकंठ महादेव से लाये गए पवित्र जल से श्री टेढ़ेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया। टेड़ेश्वर महादेव मित्र मंडल के द्वारा विगत 3 वर्षो से यह कावड़ यात्रा निकाली जा रही।

इस वर्ष यात्रा का चौथा वर्ष है यह यात्रा प्रथम वर्ष में 7 कावड़ियों से शुरू हुई थी । जो इस वर्ष 131 कावड़ के रूप में निकली,इस कावड़ यात्रा में दो 131 किलो की कावड़ भी शामिल रही।

गणपति नगर फिर बना तालाब- ना नाली बनाई, ना किया पानी निकासी का रास्ता

कलेक्टर व नपाध्यक्ष प्रतिनिधि के निर्देशों की धज्जियां उडी रहवासियों में नपा के विरू द्ध गहन आक्रोश व्याप्त

नीमच। रविवार सुबह से हो रही बारिश से वार्ड नं. 08 का गणपति नगर फिर से तालाब बन गयाजो सोमवार को भी खाली नहीं हुआ। निर्देश मिलने के बाद भी नपा अधिकारियों ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। ना ही नाली बनाई, ना ही पानी निकासी का रास्ता बनाया और ना ही रहवासियों की नाव चलाने की मांग को माना। इस मार्ग का उपयोग और आना-जाना क्लासिक क्राउन, शगुन रेसीडेंसी, न्यू इन्दिरा नगर, त्रिमूर्ति नगर, सांईनाथ नगर आदि क्षेत्रों के रहवासियों के द्वारा किया जाता है। धार्मिक बंधु मंदिर नहीं जा पा रहे हैं, वहीं सुबह निकलने वाली प्रभात फेरी को भी रास्ता बदलना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिना माता-पिता के सहयोग के वो रास्ता भी पार नहीं कर पा रहे हैं।

बीते मंगलवार को रहवासियों ने जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष एवं नगरपालिका के सामने जनसेवा केन्द्र पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष चौपड़ा व गौरव चौपड़ा से मुलाकात कर समस्या निदान हेतु ज्ञापन सौंपा था। मौके पर ही कलेक्टर व नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने अधीनस्थ अधिकारियों को समस्या निदान हेतु गंभीरता से काम करने के निर्देश दिये थे, लेकिन 7 दिन हो गये और आज तक नपा के जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई जूं तक नहीं रेंग रही है।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने 6 से अधिक ट्रॉली चूरी डालने की बात कही। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ने 2 ट्रॉली से भी कम चूरी डलवाकर इतिश्री कर दी। चूरी के लिये रहवासी ओपी परमार को फोन लगाते हैं, लेकिन वो फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझते हैं।

हालात ये हो रहे है कि क्षेत्र में कीचड़ व्याप्त हो गया है, वहीं पानी की निकासी नहीं होने से रहवासियों को भारी परेशानियां उठाना पड़ रही है। बड़ों के साथ-साथ इस क्षेत्र के मासूम बच्चे भी परेशान हो रहे हैं।

अग्नि वीर वायु की भर्ती प्रक्रिया एवं उसकी विशेषताएं की दी जानकारी

मंदसौर । जिला प्रशासन जिला रोजगार कार्यालय मंदसौर के तत्वाधान में इंडियन एयर फोर्स भोपाल की टीम द्वारा अग्नि वीर वायु की भर्ती प्रक्रिया एवं उसकी विशेषताएं आदि की जानकारी हेतु जिले के शासकीय कन्या महाविद्यालय में पब्लिसिटी ड्राइव का आयोजन किया गया । जिसमें 145 विद्यार्थियों को अग्नि वीर वायु की जानकारी इंडियन एयर फोर्स भोपाल के सार्जेंट श्री राजीव खटाना और कॉरपोरल श्री आकिब अमानउल्लाह ने विद्यार्थियों को प्रदाय की। इस दौरान जिला रोजगार कार्यालय मंदसौर के अधिकारी एवं कर्मचारी, प्राचार्य, समस्त शिक्षक उपस्थित थे। पब्लिसिटी ड्राइव में बच्चो से वायुसेना से सम्बन्धित प्रश्नोतर भी किये गये जिसमें बच्चो का उत्साहवर्धन करने हेतु उपहार प्रदान किये गये।

सुखानंद धाम के ऊपर बने सूरजकुंड मैं डूबने से एक युवक की मौत

राजस्थान एमपी की संयुक्त पुलिस ने मृतक के शव को सूरजकुंड से निकाला बाहर

नीमच। आज हरियाली अमावस्या पर एक दुखद घटना सामने आई है। सुखानंद धाम के सूरजकुंड में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। आप को बता दे कि सूरजकुंड कनेरा राजस्थान थाना क्षेत्र में आता है। जहां पर कुछ युवक नहाने गए थे। जिसमे नीमच सिटी निवासी जगदीश पिता हरिओम माली 20 वर्षीय युवक की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई।

जैसे ही घटना की जानकारी आग की तरह फैली इलाके में सनसनी फैल गई। वही राजस्थान व एसपी की संयुक्त पुलिस टीम ने घटना स्थल पर पहुँच कर मृतक के शव को सूरजकुंड से बाहर निकाला गया।

ओर पीएम के लिए अस्पताल पहुचाया गया। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष अनुसार सैकड़ो की संख्या में अमावस्या को सुखानंद धाम पर बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए व झरने का लुफ्त उठाने के लिए भक्तगण पहुंचते हैं।

वही सुखानंद धाम के ऊपर बने सूरजकुंड में भी लोग नहाने के लिए जाते है। जहाँ पर 3 साल पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।